



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, दिसम्बर 29, 1994/पौष 8, 1916 (शक)

No. 42] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 29, 1994/PAUSA 8, 1916 (SAKA)

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
(भारतीय औद्योगिक विकास बैंक साधारण विनियम, 1994)

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिसम्बर 29, 1994

फा०स० 1409/लीगल :—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 37 की उल्लंघन (1) और (2) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करने हुए और ऐसे अधिकरण से पूर्व की गई या न की गई बातों के मिवाएँ भारतीय औद्योगिक विकास बैंक साधारण विनियम, 1964 को अधिकांत करने हुए, बोर्ड केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :

अध्याय-I

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय औद्योगिक विकास बैंक साधारण विनियम 1994 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2974 GI/94—1

2. परिमाणाण.—इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) अभिप्रेत है;

(ख) “प्रब्लेम” में इन विनियमों से उत्पन्न प्रब्लेम अभिप्रेत है;

(ग) “महसू” में, यथास्थिति, कार्यालयक समिति या अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन गठिया धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन गठित किसी अन्य समिति का मद्दत्य अभिप्रेत है;

(घ) “रजिस्टर” में विकास बैंक की एक या अधिक बहियों में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर अभिप्रेत है और उसके अंतर्गत अधिनियम की धारा 13वाँ के अधीन कंप्यूटर फ्लापियों या डिस्केट्स में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर है;

(क) उन शब्दों और पदों के जो इन विनियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं वे अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

प्रधाय II

बोर्ड और कार्यपालक समिति की बैठकें

3. बोर्ड की बैठकें.—(1) बोर्ड की बैठकें, अध्यक्ष द्वारा या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक द्वारा या दोनों की अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक द्वारा बुलाई जाएंगी।

(2) कोई भी नीन निदेशक, अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक या दोनों की अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक से किसी भी समय बोर्ड की बैठक बुलाने की अपेक्षा कर सकेंगे और वह तदनुसार सुरक्ष बैठक बुलाएंगा।

(3) बोर्ड की बैठकें विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में या भारत में किसी ऐसे स्थान पर, जो बैठकें बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, की जाएंगी।

(4) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कम से कम पंद्रह दिन की सूचना साधारणतया दी जाएगी और ऐसी सूचना प्रत्येक निदेशक को भारत में उसके प्रायिक पते पर भेजी जाएगी। यदि कोई आपात बैठक बुलाना आवश्यक पाया जाए तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पहले उसकी सूचना दी जाएगी, जिसमें कि वह उसमें उपस्थित हो सके।

(5) जिस कामकाज के लिए बैठक बुलायी गई थी, उसमें भिन्न, किसी कामकाज की चर्चा बोर्ड की बैठक में, उस बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति और उपस्थित बहुमंखक निदेशकों की सहमति के सिवाय तब तक नहीं की जाएगी, जब तक कि लिखित रूप में उसकी सूचना अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक को पूरे एक सप्ताह पहले न दी गई हो।

(6) बोर्ड की किसी बैठक में कार्य करने के लिए गणपूर्ति बोर्ड को तत्समय गठित करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या का एक-तिहाई होगी (इस एक-तिहाई में किसी भिन्न को एक में पूर्णांकित किया जाएगा)।

(7) सभी निदेशकों को भारत में उनके प्रायिक पतों पर लिखित रूप में परिचालित तथा ऐसे निदेशकों की जो उस समय भारत में हैं, जिनमें से एक अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक होगा, बहुमंख्य द्वारा अनुमोदित और हस्ताक्षरित संकल्प विधिमान्य और प्रभावशील होगा तथा उस तारीख को जिसको उस संकल्प पर हस्ताक्षर करने वाले अंतिम हस्ताक्षरकर्ता द्वारा उसके लिए सहमति दी गई है और वह हस्ताक्षरित किया गया है, बोर्ड द्वारा पारित संकल्प समझा जाएगा:

परंतु यदि विसम्मति प्रकट करने वाला कोई निदेशक लिखित रूप में अपेक्षा करता है कि इस प्रकार पारित कोई संकल्प बोर्ड की बैठक के समक्ष गढ़ा जाए तो वह संकल्प तब तक यथा उपर्युक्त रूप से विधिमान्य और प्रभावशील नहीं समझा जाएगा जब तक कि वह ऐसी बैठक में पारित न कर दिया जाए।

(8) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यवाही की एक प्रति उसके पश्चात यथाशीघ्र निदेशकों की जानकारी के लिए परिचालित की जाएगी और उस पर बैठक या ठीक आगामी बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

4. कार्यपालक समिति की शक्तियां:—(1) कार्यपालक समिति को उन विषयों के मिवाय जो अधिनियम के या उसके अधीन बनाए गए किसी विनियम के अधीन, बोर्ड के लिए विनिर्दिष्ट रूप में आवश्यक है, विकास बैंक के सभी प्रायिक कामकाज करने की पूरी शक्तियां होंगी।

(2) अपनी शक्तियों का प्रयोग करने में कार्यपालक समिति ऐसे साधारण या विशेष निदेशों में आबद्ध होगी, जो बोर्ड समय-समय पर दे।

5. कार्यपालक समिति की बैठकें:—(1) कार्यपालक समिति की बैठकें विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में या भारत में ऐसे अन्य स्थान पर जो बैठकें बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट हो, सभय-समय पर बुलाई जा सकेंगी, किन्तु यह कि प्रत्येक कैमेंडर भास में कम से कम एक बैठक बुलायी जाएगी। ऐसी बैठकों के लिए पर्याप्त सूचना दी जाएगी।

(2) कार्यपालक समिति की किसी बैठक में कार्य करने के लिए गणपूर्ति कार्यपालक समिति की नियुक्त कुल संख्या का एक-तिहाई होगी (उस एक-तिहाई में किसी भिन्न को एक में पूर्णांकित किया जाएगा)।

(3) इस विनियम में अन्यथा उपबंधित के मिवाय अधिनियम के और इन विनियमों के उपबंध कार्यपालक समिति की बैठकों पर इस प्रकार लागू होंगे, मानो वे बोर्ड की बैठकें हों।

6. कोई निदेशक या सदस्य उन विषयों के बारे में कार्रवाई नहीं करेगा जिनमें वह व्यक्तिगत स्पष्ट में सम्बद्ध है:—

(1) बोर्ड का प्रत्येक निदेशक और कार्यपालक समिति का प्रत्येक सदस्य जो विकास बैंक द्वारा या उसके निमित्त की गई या की जानेवाली किसी संविदा या ठहराव में अथवा प्रस्तावित संविदा या ठहराव में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः

किसी भी रूप में सम्बद्ध या हितबद्ध है, अपनी सम्बद्धता या हित के स्वरूप को, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की बैठक में प्रकट करेगा :

परन्तु किसी निदेशक या सदस्य के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह उस स्थिति में, जिसमें कि उसका उक्त संबंध या हित उसकी एकल रूप से अथवा बोर्ड के किसी अन्य निदेशक या निदेशकों अथवा कार्यपालक समिति के किसी सदस्य या मदस्यों के माथ धारिता, कुल मिलाकर ऐसी कंपनी की समादत्त शेयर पूँजी के बो प्रतिशत से अधिक नहीं हैं, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अर्थान्तर्गत किसी कंपनी या किसी विवेशी कंपनी के माथ को जाने के लिए प्रस्तावित ऐसी किसी संविदा या ठहराव में अपने संबंध या हित को प्रकट करें।

(2) (क) प्रस्तावित संविदा या ठहराव की दशा में, वह प्रकटीकरण, जो उपविनियम (1) के अधीन बोर्ड के किसी निदेशक या कार्यपालक समिति के सदस्य द्वारा किया जाना अपेक्षित है, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की उम बैठक में, जिसमें संविदा या ठहराव करने के प्रश्न पर प्रयत्न बार विवार किया जाता है अथवा यदि वह निदेशक या सदस्य, उम बैठक की तारीख को प्रस्तावित संविदा या ठहराव से सम्बद्ध या हितबद्ध नहीं था, तो जब वह इस प्रकार सम्बद्ध या हितबद्ध हो जाता है, उसके पश्चात, की गई यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की प्रथम बैठक में किया जाएगा ।

(ख) किसी अन्य संविदा या ठहराव की दशा में अपेक्षित प्रकटन उम निदेशक या सदस्य के उम संविदा या ठहराव ने सम्बद्ध या हितबद्ध हो जाने के पश्चात की गई, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की प्रथम बैठक में किया जाएगा ।

(3) (क) उपविनियम (1) और (2) के प्रयोजन के लिए, किसी निदेशक या सदस्य द्वारा, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति को दी गई इस प्रभाव की सूचना को कि वह किसी विनिर्दिष्ट निगमित निकाय का सदस्य है या किसी विनिर्दिष्ट फर्म का सदस्य है, और उसे किसी ऐसी संविदा या ठहराव में, जो उम निगमित निकाय या फर्म के माथ, उम सूचना की तारीख के पश्चात किया जाए, सम्बद्ध या हितबद्ध समझा जाए, इस प्रकार की गई किसी संविदा या ठहराव के बारे में संबंध या हित का पर्याप्त प्रकटन समझा जाएगा ।

(ख) बोर्ड या कार्यपालक समिति को खंड (क) के अधीन साधारण सूचना देने वाला कोई निदेशक या सदस्य उसमें दी गई विशिटियों में किसी परिवर्तन को गूचना यथाशीघ्र देगा ।

(ग) कोई ऐसी साधारण सूचना (उसमें किसी परिवर्तन की कोई भी सूचना) तब तक प्रभावी नहीं होगी जब तक वह, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की बैठक में नहीं दी जाती है या मन्दिर्धित निदेशक या मदस्य यह सुनिश्चित करने के लिए युक्तियुक्त कदम नहीं उठाता है कि वह उसके दिए जाने के पश्चात, यथास्थिति, बोर्ड या कार्यपालक समिति की प्रथम बैठक में लाई और पढ़ी जाती है ।

(4) बोर्ड का कोई भी निदेशक और कार्यपालक समिति का कोई भी सदस्य, यथास्थिति, निदेशक या सदस्य के रूप में, विकास बैंक द्वारा या उसके निमित्त की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव पर विवार-विवरण में कोई भाग नहीं लेगा और उस पर मतदान नहीं करेगा यदि वह प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी भी रूप में, ऐसी संविदा या ठहराव से सम्बद्ध या हितबद्ध है और न ही उसको उपस्थिति ऐसा विवार-विवरण या मतदान के समय गणपूर्ति के प्रयोजन के लिए गणना में लो जाएगी तथा यदि वह अपना मत देता है तो उसका मत घून्य होगा :

परन्तु इसमें अंतविष्ट कोई भी बात, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अर्थान्तर्गत किसी पञ्चिक कम्पनी अथवा उस अधिनियम के अर्थान्तर्गत किसी प्राइवेट कंपनी के, जो ऐसी पञ्चिक कंपनी की समनुषंगी है, जिसमें निदेशक का हित एकमात्र :—

(i) (क) उसके ऐसी कंपनी के निदेशक होने में है, और

(ख) उसमें इतनी संख्या में या इतने मूल्य के शेयर से, जो इस कारण कि उसे विकास बैंक द्वारा ऐसा निदेशक नामनिर्देशित किया गया है, उसके एक निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए उसे अहं बनाने के लिए अपेक्षित है, अनधिक शेयरों के उसके धारक होने में है, या

(ii) उसके एक ऐसा सदस्य होने में है जो ऐसी कंपनी की समादत्त शेयर पूँजी के अधिक से अधिक दो प्रतिशत को धारण करता है, साथ की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव को लागू नहीं होगी ।

7. तदर्य समितियाः—(1) अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन गठित कोई समिति, उसका सौंपी गई शर्कियों के प्रयोग में ऐसे साधारण या विशेष नियेशों से ग्राहक होगी, जो बोर्ड या कार्यपालक समिति समय-समय पर दें ।

(2) ऐसी किसी समिति की बैठकें विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में या भारत में अन्य ऐसे स्थान पर जो बैठकें बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, समय-समय पर बुलाई जा सकेंगी। ऐसी बैठकों के लिए पर्याप्त सूचना दी जाएगी।

(3) ऐसी किसी समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति उसके कुल सदस्यों के एक तिहाई होगी (इस एक-तिहाई में किसी भिन्न को एक में पूर्णांकित किया जाएगा)।

(4) विनियम 6 के उपबंध ऐसी किसी समिति के प्रत्येक सदस्य को और उसकी बैठकों को उसी रीति से लागू होंगे, जैसे वह विनियम कार्यपालक समिति के प्रत्येक सदस्य और उसकी बैठकों को लागू होता है:

परन्तु यदि ऐसे किसी सदस्य ने विनियम 6 के अधीन बोर्ड या कार्यपालक समिति को कोई सूचना दी है तो उसके लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह इस उप-विनियम के अनुसरण में अपने संबंध या हित का और आगे प्रकटन करे।

ग्रन्थायाम III

निदेशकों की फीस और भत्ते

8. निदेशकों और कार्यपालक समिति तथा अन्य समितियों के सदस्यों की फीस और भत्ते:—(1) अधिनियम की धारा 8 के परन्तुक के अधीन रहते हुए:—

- (i) प्रत्येक निदेशक, बोर्ड की ऐसी प्रत्येक बैठक के लिए जिसमें वह उपस्थित होता है, केवल दो सौ प्राप्ति रुपए की फीस प्राप्त करने का हकदार होगा;
- (ii) कार्यपालक समिति का प्रत्येक सदस्य कार्यपालक समिति को प्रत्येक उस बैठक के लिए, जिसमें वह उपस्थित होता है, केवल दो सौ प्राप्ति रुपए की फीस प्राप्त करने का हकदार होगा;
- (iii) अधिनियम की धारा 7 की उपवारा (3) के अधीन गठित किसी भी समिति का प्रत्येक सदस्य, जब तक कि उसे कोई पारिश्रमिक, जिसके अंतर्गत विकास बैंक से मिलने वाले आकस्मिक पारिश्रमिक से भिन्न मानदेय भी है, प्राप्त नहीं होता है, ऐसी समिति की प्रत्येक उस बैठक के लिए जिसमें वह उपस्थित होता है, 250 रुपए की फीस प्राप्त करने का हकदार होगा।

(2) ऐसी फीस के अन्तरिक्ष, निदेशकों और सदस्यों को उनके यात्रा घरों की प्रतिरूपि ऐसे मापमानों पर की जाएगी जिनके लिए वे उन संवित्रित संस्थाओं में हकदार हैं,

जिनमें वे पद धारण करते हैं और किसी अन्य दशा में ऐसे मापमानों पर की जाएगी, जो केन्द्रीय सरकार के उच्चतम समूह “क” अधिकारी को लागू हैं। यास्थिति, सरकार, वित्तीय नियंत्रण, रिजर्व बैंक, वागिज्य बैंक या विकास बैंक में हकदार हैं, की जाएगी।

ग्रन्थायाम IV

संविदाएं, सामान्य मुद्रा और लेखे

9. वह गति और प्रलृप जिसमें विकास बैंक पर आवद्धकारी संविदाएं निपादित की जा सकेंगी:—

- (1) विकास बैंक की ओर से सभी संविदाएं लिखित रूप में की जाएंगी और उसके अभिव्यक्त या विश्वित प्राधिकार के अधीन कार्य करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित की जाएंगी और वे उसी गति से परिवर्तित या प्रभावोन्मुक्त की जा सकेंगी।
- (2) इस विनियम के उपबंधों के अनुसार की गई सभी संविदाएं विधिमान्य और विकास बैंक पर आवद्धकारी होंगी।

10. विकास बैंक के लेवे, रसीदों और दस्तावेज़ किसके द्वारा हस्ताक्षरित होंगी:—विकास बैंक के प्रबन्ध निदेशक, पूर्णांकित निदेशक, कार्यपालक निदेशकों, महा प्रबन्धकों, संप्रकृत महाप्रबन्धकों, उप महाप्रबन्धकों, सचिव और मुख्य लेखाकार तथा विकास बैंक के ऐसे अधिकारियों को, जिन्हें बोर्ड राजनीति में भवित्वसूचना द्वारा इस निमित प्राधिकृत करे, ऐसे विस्तार तक और ऐसी परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, यदि कोई हो, जो ऐसे प्राधिकृत करने में विनिर्दिष्ट या अधिगोपित करें, विकास बैंक के लिए और उसकी ओर से बचन पत्र, स्टाक-रसीद, स्टाक, डिबंचर, शेयर प्रतिभूतियां और माल के हक दस्तावेजों को, जो विकास बैंक के नाम में हैं और या उसके नाम में धारित हैं या उसके द्वारा धारित है, पृष्ठांकित और प्रन्तरित करने तथा विकास बैंक के चालू और प्राधिकृत कारबार में विनिमय-पत्रों और अन्य लिखतों का नियंत्रण, स्वीकार और पृष्ठांकित करने तथा ऐसे कारबार में संबंधित अन्य सभी लेखाओं, रसीदों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए इसके द्वारा पृथक्कृत समक्त किया जाता है।

11. वाददत्र आदि किसके द्वारा हस्ताक्षरित होंगे:—वादपत्र, लिखित कवन, शब्दपत्र और विधिक कार्यवाहियों में संबंधित सभी अन्य दस्तावेज विकास बैंक की ओर से ऐसे किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित किए जा सकेंगे जो विनियम 10 द्वारा या उसके अधीन विकास बैंक के विए और उसकी ओर से दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए नियत हैं।

12. वंधुओं का निर्मन:—(1) विकास बैंक के वंधुपत्र या डिवेलर अध्ययन या प्रबन्ध निदेशक के हस्ताक्षर से निर्मित किए जाएंगे और ऐसा हस्ताक्षर मुद्रित, उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा, जिसका बोर्ड निर्देश दे, छपा हुआ हो सकेगा।

(2) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण लिथोग्राफ किया हुआ या अन्यथा छपा हुआ हस्ताक्षर उसी रूप में विधिमान्य होगा जैसे स्वप्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा उसके हस्तलेख में लिखा गया हस्ताक्षर होगा।

13. सामान्य मुद्रा:—विकास बैंक की सामान्य मुद्रा, यथास्थिति, बोर्ड के या कार्यपालक समिति के संकल्प के अनुसुरण में और कम से कम तीन निदेशकों की जिनमें अध्यक्ष या प्रबन्ध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक भी समिक्षित होंगा, जो अपनी उपस्थिति के प्रतीकप्रवृहृष्ट, निखत पर अपने नाम हस्ताक्षरित करेंगे और ये हस्ताक्षर ऐसे किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर से पृथक होंगे, जो एक साक्षी के रूप में उस लिखत पर हस्ताक्षर करे, उपस्थिति में ही किसी भी लिखत पर लगाई जाएगी, अन्यथा नहीं। जब तक कि उन्मुक्त रौति में वह हस्ताक्षरित नहीं होगा, तब तक ऐसी लिखत की कोई विधिमान्यता नहीं होगी।

14. तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा:—विकास बैंक प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च को तुलन पत्र तथा उस तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा इन विनियमों की अनुसूची I और अनुसूची II में विनिर्दिष्ट प्रारूपों में तैयार करेगा।

अध्याय V

शेयर और शेयर रजिस्टर

15. शेयर जंगम संपत्ति है:—विकास बैंक के शेयर जंगम संपत्ति होंगे।

16. शेयरों और रजिस्टरों पर नियंत्रण:—अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के और ऐसे निवेशों के अधीन रहते हुए जो बोर्ड समय-समय पर दे, प्रधान कार्यालय में रखा गया रजिस्टर बोर्ड द्वारा रखा जाएगा और बोर्ड के नियंत्रण के अधीन होगा और बोर्ड का इस बारे में विनिश्चय कि क्या कोई व्यक्ति किसी शेयर की बावत शेयरधारक के रूप में रजिस्टर किए जाने का हकदार है या नहीं, अंतिम होगा।

17. वे पक्षकार जो शेयरधारकों के रूप में रजिस्टर नहीं किए जा सकेंगे:—(1) जैसा इन विनियमों द्वारा अन्यथा उपबंधित है उसके भिवाय कोई भी अवयक्त या व्यक्ति, जो सक्षम अधिकारिता वाले किसी स्वायत्तेज द्वारा विकृतचित्त पाया गया है, शेयरधारक के रूप में रजिस्टर किए जाने का हकदार नहीं होगा।

(2) फर्मों की दशा में शेयर अलग-अलग भागीदारों के नामों में रजिस्टर किए जाएंगे और कोई भी फर्म उस रूप में शेयरधारक के रूप में रजिस्टर किए जाने की हकदार नहीं होगी।

18. रजिस्टर में दर्ज की जाने वाली विणियियाँ:—

(1) अधिनियम की धारा 13वीं में विनिर्दिष्ट विणियियों के अन्तिरिक्त निम्नलिखित विणियियाँ रजिस्टर में दर्ज की जाएंगी, अर्थात्:—

(क) वह रीति जिसमें प्रत्येक शेयरधारक ने अपना शेयर या अपने शेयर अर्जित किए और केन्द्रीय सरकार को शेयरों के आवंटन के मिवाय पूर्व धारक का नाम और वह फोलियो जिसमें शेयर अंतिम बार दर्ज किया गया था;

(ख) क्या शेयरधारक केन्द्रीय सरकार है या केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों के प्रबंग का है; और

(ग) जब कोई व्यक्ति शेयरधारक नहीं रह जाता है तब उस व्यक्ति का नाम जिसके पास में शेयर अंतिरित किया जाता है किए जाते हैं।

(2) (क) केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित साधारण शेयरों, और

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा धारित अधिमानी शेयरों की बाबत एक पृथक नेजर रखा जाएगा।

(3) किसी शेयर के संयुक्त धारकों की दशा में उनके नाम और उप-विनियम (1) द्वारा अपेक्षित अन्य विणियियाँ ऐसे संयुक्त शेयरधारकों में से पहले के नाम के अधीन समूहीकृत की जाएंगी।

(4) भारत के बाहर निवासी शेयरधारक विकास बैंक को भारत में एक पता देगा और ऐसा पता रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा तथा अधिनियम और इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए उसका रजिस्टरीकृत पता समझा जाएगा।

19. मंगुक शेयरधारकों के अधिकारों का प्रयोग:—यदि कोई शेयर दो या अधिक व्यक्तियों के नाम में है तो रजिस्टर में प्रथम नामित व्यक्ति, मतदान, लाभांशों की प्राप्ति, सूचनाओं की तासील के बारे में तथा सभी या

विकास बैंक से संबंधित सभी मामलों के बारे में, शेयरों के अंतरण को छोड़कर, उसका एकमात्र धारक समझा जाएगा।

20. रजिस्टर का निरीक्षण :—(1) रजिस्टर तब के सिवाय जब वह विनियम 21 के अधीन बंद कर दिया जाता है ऐसे युक्तियुक्त निवधनों के अधीन रहते हुए, जो विकास बैंक अधिरोपित करे, कामकाज घटों के दौरान ऐसे स्थान पर जहाँ वह रखा जाता है किसी शेयरधारक द्वारा निःशुल्क निरीक्षण के लिए खुला रहेगा किन्तु इस प्रकार कि प्रत्येक कार्य दिवस में कम से कम दो घंटे तक निरीक्षण की अनुमति दी जाएगी।

(2) किसी शेयरधारक को रजिस्टर में से किसी प्रविष्टि की स्वयं प्रति तैयार करने का अधिकार नहीं होगा किन्तु तब के सिवाय जब रजिस्टर बंद कर दिया जाता है रजिस्टर या उसके किसी भाग की प्रति को अपेक्षा कर सकेगा।

(3) उप-विनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किए गए केन्द्रीय सरकार के किसी अधिकारी को रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की प्रतिलिपि करने या रजिस्टर या उसके किसी भाग की प्रति की अपेक्षा करने का अधिकार होगा।

21. रजिस्टर को बंद करना :—विकास बैंक, भारत में परिचालित कम से कम दो समाचारपत्रों में विज्ञापन द्वारा कम से कम सात दिन की पूर्व सूचना देने के पश्चात शेयरधारकों के रजिस्टर को प्रत्येक वर्ष में कुल मिलाकर पैतालीस दिन की किसी अवधि या अवधियों के लिए, किन्तु जो एक बार में तीस दिन से अधिक की नहीं होगी, बंद कर सकेगा।

22. शेयर प्रमाणपत्र :—(1) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र ऐसे प्रृष्ठपर में जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, जारी किया जाएगा। प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र में भुग्तान संख्याक दिया जाएगा और उन शेयरों की संख्या दर्शित की जाएगी जिनकी बाबत वह जारी किया जाता है। प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र में उस शेयरधारक का नाम दिया जाएगा जिसे वह जारी किया जाता है।

(2) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र विकास बैंक की ओर से ऐसे दो व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा, जिन्हें बोर्ड इस निमित्त सम्बन्धित रूप में प्राधिकृत करे और ऐसा हस्ताक्षर मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ किया हुआ या ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा, जिसका बोर्ड निदेश दे, छपा हुआ हो सकेगा।

(3) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ किया हुआ या अन्यथा छपा हुआ हस्ताक्षर उसी प्रकार विधिमान्य होगा जैसे स्वयं हस्ताक्षरकर्ता द्वारा उसके हस्तान्तर में लिखा गया हस्ताक्षर होगा।

23. शेयर प्रमाणपत्रों का जारी किया जाना :—(1) विकास बैंक किसी शेयरधारक को प्रमाणपत्र जारी करते समय एक बार में उसके नाम में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक पचास शेयरों या उनके गुणजों के लिए एक प्रमाणपत्र के आधार पर और उनमें अधिक किन्तु पचास में कम शेयरों की संख्या के लिए एक अतिरिक्त शेयर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सक्षम होगा।

(2) यदि रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले शेयरों की मंख्या पचास से कम हैं तो सभी शेयरों के लिए एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

(3) कई व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप में धारित शेयरों की दशा में, ऐसे संयुक्त धारकों में से एक को सापेक्ष प्रमाणपत्र या प्रमाणपत्रों का दरिशान सभी को पर्याप्त परिदान होगा और संयुक्त धारकों में से किसी एक द्वारा हस्ताक्षरित प्राप्ति सभी संयुक्त धारकों पर प्रभावी रूप से अवश्यक होगी।

24. प्रमाणपत्रों का नवीकरण :—(1) यदि फटा हुआ या विरुद्धित कोई शेयर प्रमाणपत्र पेश किया जाता है तो बोर्ड उसे रद्द करने का आदेश दे सकेगा और उसके बदले में नया प्रमाणपत्र जारी करवा सकेगा।

(2) यदि किसी शेयर प्रमाणपत्र का खो जाना या नष्ट हो जाना अभिक्षित है तो उसके खो जाने और नष्ट हो जाने के ऐसे साक्ष्य के पेश किए जाने पर, जो बोर्ड समझे और प्रतिभूति सहित या उसके बिना, जिसकी बांड अपेक्षा करे, ऐसी उन्मुक्ति पर और विकास बैंक को उसके खर्चों, प्रभारों और मामले के या उसके अनुपर्याप्त व्यय के संदाय पर उसके बदले में एक नया प्रमाणपत्र ऐसे खो गए या नष्ट हो गए प्रमाणपत्र के लिए हकदार व्यक्ति को दिया जाएगा।

25. शेयरों का अंतरण :—(1) विकास बैंक के शेयरों का प्रत्येक अंतरण लिखित रूप में और प्रृष्ठपर भी होता।

(2) किसी शेयर के अंतरण की लिखित बोर्ड की प्रस्तुति की जाएगी और अंतरण तथा अंतरिती द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी और अंतरक ऐसे शेयरों का तब तक धारक रहेगा जब तक अंतरिती का नाम रजिस्टर में दर्ज नहीं किया जाता है।

(3) अंतरण रजिस्टर करने के अनुरोध के साथ बोर्ड द्वारा किसी अंतरण लिखित की प्राप्ति पर बोर्ड, जब तक कि वह अंतरण को अधिनियम की धारा 137 के अधीन रजिस्टर करने से इकार नहीं करता है, अंतरण को रजिस्टर करवाएगा।

26. अंतरणों को निलंबित करने की शक्ति:—बोर्ड किसी ऐसी अधिकारी के द्वारा जिसमें रजिस्टर बंद कर दिया जाता है अंतरण के रजिस्ट्रीकरण का निलंबन कर सकेगा।

27. किसी शेयरधारक की मृत्यु, विवाले आदि की दशा में शेयरों का पारेषण:—(1) किसी शेयर की बाबत किसी मृत शेयरधारक के निष्पादक या प्रशासक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के भाग X के प्रधीन जारी किए गए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक ऐसे शेयर की बाबत या ऐसा व्यक्ति, जिसके पक्ष में ऐसे शेयर की विधिमान्य अंतरण लिखत ऐसे व्यक्ति द्वारा और मृत एकमात्र धारक द्वारा अपने जीवनकाल के दीर्घान निष्पादित की गई थी, केवल ऐसा व्यक्ति होगा जिसे विकास बैंक द्वारा ऐसे शेयर पर कोई हक रखने वाले व्यक्ति के रूप में मान्यता दी जा सकेगी।

(2) दो या अधिक शेयरधारकों के नाम में रजिस्ट्री-कृत शेयरों की दशा में उत्तरजीवी और अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु पर उसके निष्पादक या प्रशासक या कोई व्यक्ति जो शेयर में ऐसे उत्तरजीवी के हित की बाबत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक है या ऐसा व्यक्ति जिसके पक्ष में ऐसे व्यक्ति और ऐसे अंतिम उत्तरजीवी द्वारा अपने जीवनकाल के दीर्घान शेयर के अंतरण की विधिमान्य लिखत निष्पादित की गई थी, केवल ऐसा व्यक्ति होगा जिसे विकास बैंक द्वारा ऐसे शेयर पर कोई हक रखने वाले व्यक्ति के रूप में मान्यता दी जा सकेगी।

(3) विकास बैंक ऐसे निष्पादकों या प्रशासकों को मान्यता देने के लिए तब तक आवश्यक नहीं होगा जब तक कि उन्होंने सक्षम अधिकारिता वाले किसी न्यायालय से, यथास्थिति, प्रोट्रेट या प्रशासन पत्र या अन्य विधिक प्रतिनिधित्व प्राप्त न किया हो:

परंतु यह कि किसी मामले में जहाँ बोर्ड अपने विवेक से उचित समझे, बोर्ड के लिए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, प्रशासन पत्रों या ऐसे अन्य विधिक प्रतिनिधित्व के पेश करने से, उन्मुक्ति के बारे में ऐसे निवंधनों पर या अन्यथा जो वह ठीक समझे, छूट देना विधिरूप होगा।

(4) शेयरधारक की मृत्यु के परिणामस्वरूप किसी शेयर का हक्कदार ही जौने वाले किसी ऐसे व्यक्ति को और दिवाले, शोधन प्रक्रमता या शेयरधारक के समाप्त के परिणामस्वरूप किसी शेयर का हक्कदार हो जाने वाले व्यक्ति को ऐसे साक्ष्य के पेश किए जाने पर, जिसकी बोर्ड अपेक्षा करे:—

(क) ऐसे शेयर की बाबत शेयरधारक के रूप में रजिस्ट्री-कृत किए जाने का अधिकार होगा; या

(ख) ऐसे शेयर का ऐसा अंतरण करने का अधिकार होगा जैसे ऐसे व्यक्ति ने किया होता जिसमें वह हक व्युत्पन्न करता है।

28. ऐश्वरों पर कालों:—बोर्ड अमर्त: उनके द्वारा धारित शेयरों पर असंदर्भ रह गई सभी धनराशियों की बाबत शेयरधारकों पर, जो वह ठीक समझे ऐसी कालों और उनके आबंटन की शर्तों द्वारा नहीं, जो नियत समयों पर संदेय की गई हैं, समय-समय पर कर सकेगा और प्रत्येक शेयरधारक उसपर इस प्रकार की गई प्रत्येक काल की रकम उस व्यक्ति को ऐसे समय और स्थान पर करेगा जिसे बोर्ड नियत करे। कोई काल किसी में संदेय बनाई जा सकती है।

29. कालों की तारीख संकल्प की तारीख से होगी:—कोई काल उस समय की गई समझी जाएगी जब ऐसी काल को प्राधिकृत करने वाला बोर्ड का संकल्प पारित किया गया था और जो रजिस्टर पर शेयरधारकों द्वारा ऐसी तारीख की या बोर्ड के विवेक पर ऐसी पश्चात्-वर्ती तारीख को संदेय की जा सकेगी जो बोर्ड द्वारा नियत की जाए।

30. काल की सूचना:—प्रत्येक काल की कम से कम तीस दिन की सूचना संदाय का समय विनिर्दिष्ट करते हुए दी जाएगी परंतु यह कि ऐसी काल के संदाय के लिए समय में पूर्व बोर्ड शेयरधारकों को लिखित सूचना द्वारा उसे प्रतिसंहृत कर सकेगा।

31. काल के संदाय के लिए समय का विस्तार:—बोर्ड, समय-समय पर और अपने विवेक से सभी या शेयरधारकों के किसी प्रवर्ग के संबंध में किसी काल के संदाय के लिए नियत समय का, उनके निवास-स्थानों की दूरी और पहुँच या सामाजिक संचार पर प्रभाव डालने वाले अन्य कारणों को ध्यान में रखते हुए, विस्तार कर सकेगा किन्तु कोई भी शेयरधारक ऐसे विस्तार के लिए माधिकार हक्कदार नहीं होगा।

32. संपुक्त धारकों के दायित्व:—किसी शेयर के संपुक्त धारक उसकी बाबत सभी कालों का संदाय करने के लिए संपुक्त होते हैं और पृथक्त होते हैं।

33. कालों के रूप में नियत समय पर या किसी द्वारा संदेय रकम:—यदि किसी शेयर के निर्गम के निवंधनों द्वारा या अन्यथा कोई रकम किसी नियत समय पर किसी द्वारा संदेय है तो प्रत्येक ऐसी रकम या किसी इस प्रकार गंदेय होगी मानो वह बोर्ड द्वारा सम्यक रूप में को गई काल हो और जिसकी सम्यक सूचना दी गई हो और कालों की बाबत इसमें अनंत्रित सभी उपबंध ऐसी रकम या किसी से तदनुसार संबंधित होंगे।

34. काल या किस्त पर ब्याज कब संदेय होगा :— यदि किसी काल या किस्त की बाबत संदेय कोई राशि उसके संदाय के लिए नियत दिन को या उसमें पूर्व संदत नहीं की जाती है तो उस शेयर का, जिसकी बाबत काल की गई होती या किस्त शोध होती, तत्समय धारक या आवाटी ऐसो राशि पर ऐसी दर पर ब्याज का, जो बोर्ड समय-समय पर नियत करे, संदायु उसके संदाय के लिए नियत दिन गे वास्तविक मंदाय के समय तक करेगा किन्तु बोर्ड ऐसे ब्याज के संदाय का पूर्णतया या भागत अधिन्यजन कर सकेगा।

35. शेयरधारक द्वारा कालों का असंदाय :—कोई भी शेयरधारक कोई लाभांश प्राप्त करने या शेयरधारक के रूप में किसी विशेषाधिकार का प्रयोग करने के लिए नब तक हक्कदार नहीं होगा जब तक उसने तत्समय शोध और उसके द्वारा चाहे एकल रूप में या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से धारित प्रत्येक शेयर पर संदेय कालों का ब्याज और व्यय सहित, यदि कोई हो, संदाय न कर दिया हो।

36. यदि काल या किस्त का संदाय नहीं किया जाना तो सूचना दी जाएगी :—यदि कोई शेयरधारक किन्हीं शेयरों की बाबत, चाहे मूलधन के रूप में या उसके संदाय के लिए नियत दिन को या उसके पूर्व शोध किसी पूर्ण काल या उसके किसी भाग का संदाय करने में अमफल रहता है तो बोर्ड उसके पश्चात किसी समय, ऐसे समय के दौरान जिसमें काल या ब्याज या उसका कोई भाग या अन्य धनराशियां असंदत्त रहती हैं या उनकी बाबत कोई निर्णय या डिक्री पूर्णतः या भागत अतुष्ट रहती है, ऐसे शेयरधारक या पारेषण द्वारा शेयर के हक्कदार व्यक्ति पर (यदि कोई हो), ऐसों काल या किस्त या उसके ऐसे भाग का या अन्य धनराशियों का जो असंदत्त रहती है, किसी ब्याज सहित जो प्रोब्रैथन हो गया हो और सभी व्यय (विधिक या अन्यथा) जो ऐसे असंदाय के कारण विकास बैंक द्वारा संदत या प्रोब्रैथन किया गया हो, संदाय करने की अपेक्षा करने वाली सूचना को तारीख कर सकेगा।

37. सूचना का प्रारूप :—सूचना में एक दिन, जो सूचना को तारीख से चौदह दिन से कम का नहीं होगा और वह स्थान या वे स्थान जहा और जिनपर ऐसी काल या किस्त या ऐसे भाग का या अन्य धनराशियों और ऐसे ब्याज और उपर्युक्त व्यय का संदाय किया जाना है, दर्शन किया जाएगा। सूचना में यह भी कथन होगा कि नियत समय पर या उसके पूर्व या स्थान पर असंदाय की दर्शा में वह शेयर जिसकी बाबत काल की गई थी या किस्त संदेय है समप्रदृत किया जा सकेगा।

38. संदाय में व्यनिकम होने पर शेयर समप्रदृत किया जाएगे :—उपर्युक्त ऐसी सूचना की किन्हीं अपेक्षाओं का पालन नहीं किया जाता है तो कोई शयर, जिनकी बाबत

ऐसी सूचना दी गई है सभी कालों या किस्तों, ब्याज और व्यय या उनकी बाबत शोध धनराशि के संदाय के पूर्व बोर्ड के उस प्रभाव के संकल्प द्वारा समप्रदृत किए जा सकेंगे। ऐसे समप्रदृत के अंतर्गत समप्रदृत शयरों की बाबत व्यापित और समप्रदृत के पूर्व वास्तव में असंदत्त सभी लाभांश होंगे।

39. रजिस्टर में समप्रदृत की प्रविधिः -जब विनियम 38 के अधीन किसी शेयर का समप्रदृत किया गया हो तब उसकी तारीख सहित समप्रदृत की प्रविधि रजिस्टर में की जाएगी।

40. समप्रदृत शेयर विकास बैंक की संपत्ति होंगे और उनका विक्रय किया जा सकेगा :—इस प्रकार समप्रदृत कोई शेयर विकास बैंक की संपत्ति समझा जाएगा और उसका विक्रय, पुनरावंटन या अन्यथा व्ययन या तो उसके मूल धारक या किसी अन्य व्यक्ति को, ऐसे विवंधनों पर और ऐसी रीति से किया जा सकेगा जिसका बोर्ड विनिश्चय करे।

41. समप्रदृत को निष्प्रभावी करने की शक्ति :—बोर्ड विनियम 38 के अधीन इस प्रकार समप्रदृत किसी शेयर का विक्रय, पुनरावंटन या अन्यथा व्ययन के पूर्व किसी समय उसके समप्रदृत को, ऐसी शर्तों पर, जो वह ठीक ममसे निष्प्रभावी कर सकेगा।

42. शेयरधारक समप्रदृत के समय देय धनराशि और ब्याज का संदाय करने के लिए दायी होगा :—कोई शेयरधारक जिसके शेयर समप्रदृत कर निए गए हैं समप्रदृत के होते हुए भी सभी कालों, किस्तों, ब्याज, व्यय और समप्रदृत के समय ऐसे शेयरों पर या की बाबत देय अन्य धनराशियों का, उन पर समप्रदृत के समय में संदाय तक ऐसी दर पर ब्याज सहित, जो बोर्ड द्वारा विनियमित की जाए, विकास बैंक को संदाय करने के लिए दायी होगा और उसे तुरंत संदाय करेगा और बोर्ड पूरे या उसके भाग के संदाय को प्रवर्तित कर सकेगा।

43. आंशिक संदाय समप्रदृत का प्रवारण नहीं करेगा :—किन्हीं शेयरों की बाबत शोध कालों या अन्य धनराशियों के लिए विकास बैंक के पक्ष में कोई भी निर्णय या डिक्री और न ही उसके अधीन कोई संदाय या तुष्टि, न ही विकास बैंक द्वारा किसी धनराशि के भाग की प्राप्ति जो किन्हीं शेयरों की बाबत चाहे मूलधन के रूप में या ब्याज के रूप में किसी शेयरधारक में समय-समय पर शोध य हो, न ही किसी धनराशि के संदाय को बाबत विकास बैंक द्वारा दिखाई गई कोई उदारता, इन विनियमों के अधीन ऐसे शेयरों के समप्रदृत को प्रवारण करेगा।

44. समप्रदृत उपवंधों का लागू होना :—समप्रदृत के बारे में इन विनियमों के उपवंध किसी गणि के, जो किसी शेयर के निर्णय के निवंधनों द्वारा नियत समय को

संदेश हो जाती है, असंदाक की दशा में ऐसे नागू होंगे मानो वह सम्यक् रूप में की गई काल के आधार पर संवेद्य रहते होंगे।

45. विकास बैंक का शेयरों पर धारणाधिकारः— विकास बैंक का भागतः समादरत शेयरों की दशा में काल का गई या ऐसे शेयरों की बाबत नियन्त्रण पर संदेश सभी धनरागियों के लिए प्रथम और सर्वोपरि धारणाधिकार होगा। किसी ऐसे धारणाधिकार का, ऐसे शेयरों की बाबत समव्यवस्था पर धोयित गर्मी जाभांशों पर विस्तार होगा।

46. शेयरों के विकल्प द्वारा धारणाधिकार को प्रवर्तित कराना :—झोर्ड विनियम 45 में निर्दिष्ट धारणाधिकार को प्रवर्तित कराने के प्रयोजन के लिए उसके अधीन रहने वाले शेयरों का ऐसी रीति से विकल्प कर सकेगा, जो वह ठीक समझे, किन्तु कोई भी विकल्प तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि कोई राशि जिसकी बाबत धारणाधिकार विद्यमान है, उस समय संदेश न हो, त ही तब जब तक विकल्प करने के आशय की लिखित सूचना नी, ऐसे शेयरधारक या शेयरों के परिषद के लिए हकदार व्यक्ति पर, यदि कोई दो, तामील न की गई हो और उस समय संदेश राणि के संदाय में ऐसी गूचना के पञ्चान्त सात दिन के लिए उसके द्वारा व्यतिक्रम न किया गया हो।

47. शेयरों के विकल्प के आगमों का उपयोजन :— विनियम 46 के अधीन शेयरों के किसी विकल्प के आगम ऐसे विकल्प के खंडों का कटौतीं करने के पञ्चान्त अण या दायित्व को, जिसकी बाबत, जहाँ तक वह उग समय संदेश है, धारणाधिकार विद्यमान है, तुष्टि में या के लिए उपयोगित किए जाएंगे और शेष का, यदि कोई हो, शेयरधारकों या इस प्रकार विकल्प किए शए, शेयरों के पारंपरण द्वारा हकदार व्यक्ति को, यदि कोई हो, संदाय किया जाएगा।

48. समव्यवस्था का प्रमाणपत्र :—किसी नियमें या विकास बैंक के इस निमित्त वस्तुक रूप से प्राप्तिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा लिखित यह प्रमाणपत्र कि किसी शेयर की बाबत काल का गई यो और शेयर का समव्यवस्था बोर्ड के उस प्रभाव के संकल्प द्वारा किया गया था। ऐसे शेयरों के हकदार सभी व्यक्तियों के विश्वेष उसमें कथित तथ्य का निश्चायक भाष्य होगा।

49. समव्यवस्था के क्रेता और ग्रावंटिती का हकः— विकास बैंक, किसी विकल्प, पुनराबंटन या उसके अन्य व्ययन पर किसी शेयर के लिए दिए गए, प्रतिफल को, यदि कोई हो, प्राप्त कर सकेगा और वह व्यक्ति जिसको ऐसे शेयर का विकल्प, पुनराबंटन या व्ययन किया जाता है शेयर के धारक के रूप में रजिस्टर किया जा सकेगा और शेयर का धारक प्रतिफल के, यदि कोई हो, उपयोजन को देखने के लिए वाध्य नहीं होगा, न ही शेयर पर उसके हक पर शेयर 29/4 GI/94—।

के समव्यवस्था, विकल्प, पुनराबंटन या प्रत्ये व्ययन के संदर्भ में कार्यवाहियों में किसी अनियन्त्रिता या अवैधता द्वारा कोई प्रभाव पड़ेगा और विकल्प से व्यक्ति किसी व्यक्ति या उपचार केवल नुकसान में और अनन्य रूप में विकास बैंक के विरुद्ध होगा।

50. जेयरधारकों पर सूचना और दस्तावेज की तामील :— (1) विकास बैंक, किसी भी एयरधारक पर व्यक्तिगत रूप में या उसके रजिस्ट्रीकूल पते पर या यदि उसका भारत में कोई रजिस्ट्रीकूल पता नहीं है तो उस सूचना देने के लिए विकास बैंक को उसके द्वारा दिए गए भारत के पते पर, यदि कोई हो, डाक द्वारा किसी सूचना या दस्तावेज को तामील कर सकेगा।

(2) जहाँ किसी दस्तावेज या सूचना को डाक द्वारा भेजा गया है, वहाँ ऐसी दस्तावेज या सूचना की तामील के बारे में वह समझा जाएगा कि वह किसी पते पर, जिसमें दस्तावेज या सूचना अन्वयित हो, समन्वित रूप में पता लिख कर, उसका पूर्व मंदाय करके और उसे डाक में डाल कर की गई है।

परन्तु जहाँ किसी शेयरधारक ने पहले ही में विकास बैंक को यह गूचित कर दिया है कि दस्तावेज उसे डाक में डाले जाने के प्रयाणपत्र के अवान का रहीदी या बेसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा, भेजा जाए और उसने ऐसा करने के व्यय को चुकाने के लिए विकास बैंक के पाप पर्याप्त राशि जमा करा दी है, वहाँ दस्तावेज या सूचना की तामील तब को गई समझी जाएगी जब वह शेयरधारक द्वारा सूचित की गई शीति में भेजा गई हो, और जब तक प्रतिफल मान्वित न किया जाए ऐसी तामील किसी बैठक की सूचना की दशा में उस पते के, जिसमें वह अन्वयित है, डाक में डाले जाने के पञ्चान्त अड़नालीस घंटे की समाप्ति पर, और किसी अन्य दशा में उस समय पर की गई समझी जाएगी जब वह पत्र डाक के माध्यारण अनुक्रम में परिदृत किया गया होता।

(3) भारत में व्यापक रूप में परिचालित किसी समाचार पत्र में विज्ञापित किसी सूचना या दस्तावेज के बारे में वह समझा जाएगा कि उसके सम्यक् रूप में तामील विकास बैंक के ऐसे प्रत्येक शेयरधारक पर, जिसका भारत में कोई रजिस्ट्रीकूल पता नहीं है और जिसने उस सूचना देने के लिए भारत का कोई पता विकास बैंक को नहीं दिया है, उस लिए कोई समझी जाएगी जिस लिए विज्ञापन प्रकाशित होता है।

(4) विकास बैंक किसी शेयर के संयुक्त धारक पर किसी सूचना या दस्तावेज की तामील शेयर की बाबत रजिस्टर में प्रथम नामित संयुक्त शेयरधारक पर तामील करके कर सकेगा।

(5) विकास बैंक किसी शेयरधारक को मृत्यु पर या उसके दिवालियेपन के परिणामस्वरूप शेयर के हकदार व्यक्तियों पर सूचना या दस्तावेज की तामील, नाम से, या मृतक के प्रतिनिधियों या दिवालिये के समनुदेशितियों के अभिनाम से या वैसे ही किसी वर्णन से, इस प्रकार हकदार होने का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा इस प्रयोजन के लिए दिए गए भारत में किसी पते पर, यदि कोई हो, उनको संबोधित ऐसा पत्र, जिसका डाक महसूल दे दिया गया है, डाक द्वारा या जब तक ऐसा पता इस प्रवार नहीं दिया गया हो, दस्तावेज की तामील किसी ऐसी रीति में करके, जिस रीति में यह तब तामील की गई होती जब मृत्यु या दिवालियापन नहीं हुआ होता, कर सकेगा।

अध्याय-VI

शेयरधारकों की बैठकें

51. साधारण बैठक बुलाने की सूचना:—(1) शेयरधारकों की साधारण बैठक बुलाने की सूचना, जिस पर विकास बैंक के अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक के हस्ताक्षर होंगे, बैठक के कम से कम पूरे इकीस दिन पहले भारत में व्यापक रूप में परिचालित कम से कम दो दिनिक समाचारपत्रों में, प्रकाशित की जाएगी।

(2) प्रत्येक ऐसी सूचना में ऐसी बैठक का समय, तारीख और स्थान और वह कारबार भी कथित होगा जो उस बैठक में किया जाएगा।

52. असामान्य साधारण बैठक:—(1) विकास बैंक का अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक शेयरधारकों की असाधारण साधारण बैठक तब बुलाएगा जब बोर्ड द्वारा इस प्रकार निदेशित किया गया हो या यदि ऐसी बैठक के लिए अध्ययेक्षा केन्द्रीय सरकार से या ऐसे अन्य शेयरधारकों से प्राप्त हो गई हो जो उन शेयरों को धारण किए हुए हैं जिनके कुल मताधिकार सभी शेयरधारकों के कुल मताधिकार का कम से कम बीस प्रतिशत हैं।

(2) उपविनियम (1) में निर्दिष्ट अध्ययेक्षा में वह प्रयोजन कथित होगा जिसके लिए असामान्य साधारण बैठक बुलाई जानी अपेक्षित है किन्तु उसमें वैसे ही रूप में कई दस्तावेज होंगे और प्रत्येक दस्तावेज पर एक या अधिक अध्ययेक्षाकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए गए होंगे।

(3) जहां दो या अधिक व्यक्ति संयुक्ततः किन्हीं शेयरों को धारण करते हों, वहां इस विनियम के प्रयोजनों के लिए बैठक बुलाने की अध्ययेक्षा या सूचना का, जिस पर उनमें से एक या कुछ व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किए हों, वही बल और प्रभाव होगा मात्रों उस पर उन सभी ने हस्ताक्षर किए हों।

(4) असामान्य साधारण बैठक का समय, तारीख और स्थान बोर्ड द्वारा नियत किया जाएगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार या अन्य शेयरधारकों की अध्ययेक्षा पर बुलाई जाने वाली असामान्य साधारण बैठक अध्ययेक्षा प्राप्त होने के तीन मास के अपश्चात् नहीं बुलायी जाएगी।

(5) यदि, यथास्थिति, अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक उपविनियम (1) द्वारा अपेक्षित बैठक उपविनियम (4) के परन्तु में नियत अवधि के भीतर नहीं बुलाता है तो बैठक स्वयं अध्ययेक्षाकर्ताओं द्वारा अगले तीन मास में बुलायी जा सकेगी।

परंतु इस उपविनियम की किसी बात के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि वह उपर्युक्त तीन मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व सम्यक् रूप से प्रारम्भ की गई बैठक को उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी दिन के लिए स्थगित करने में निवारित करती है।

(6) अध्ययेक्षाकर्ताओं द्वारा उपविनियम (5) के अधीन बुलाई जाने वाली बैठक, यथासंभव निकटतम रूप में, उसी रीति में बुलाई जाएगी जिसमें अन्य साधारण बैठकें बुलाई जाती हैं।

(7) उपविनियम (5) के अधीन बैठक बुलाने में अध्ययेक्षाकर्ताओं द्वारा उपगत किसी भी युक्तियुक्त व्यय की प्रतिपूर्ति विकास बैंक द्वारा अध्ययेक्षाकर्ताओं को की जाएगी।

53. साधारण बैठकों में कारबार:—(1) अधिनियम की धारा 13 ज में जैसा विनिर्दिष्ट है उसमें भिन्न कोई भी कारबार वार्षिक साधारण बैठक में बैठक के अध्यक्ष की सहमति से ही किया जाएगा, अन्यथा नहीं।

(2) बैठक के अध्यक्ष की सहमति के बिना कोई भी कारबार किसी असामान्य साधारण बैठक में उस कारबार के सिवाय, जिसके लिए बैठक बुलाई गई है, नहीं किया जाएगा या उस पर विचार-विमर्श नहीं किया जाएगा।

54. साधारण बैठकों में गणपूर्ति:—(1) शेयरधारकों की किसी बैठक में, चाहे वह वार्षिक साधारण बैठक हो या असामान्य साधारण बैठक हो, कोई कारबार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे कारबार के प्रारंभ होने पर कम से कम पांच शेयरधारकों से, जिसमें केन्द्रीय सरकार का सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि और चार ऐसे अन्य शेयरधारक हों जिन्हें उस बैठक में व्यक्तिगत रूप में या प्राक्सी द्वारा या सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा मत देने का अधिकार हो, गणपूर्ति उपस्थित न हो।

(2) यदि बैठक करने के लिए नियत समय से आधे घंटे के भीतर गणपूर्ति उपस्थित नहीं है तो केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों की अध्ययेक्षा पर बुलाई गई बैठक विघटित हो जाएगी।

(3) अन्य किसी वक्ता में बैठक शामें मध्याह्न उसी दिन, उसी समय और स्थान पर या ऐसे अन्य दिन और ऐसे अन्य समय और स्थान पर के लिए स्थगित हो। जाएँगी जैसा बैठक का अध्यक्ष अवधारित करे। यदि बैठक करने के लिए नियत समय में अधिक घंटे के भीतर गणपूर्ति नहीं होती है तो गणपूर्ति लिए शेयरधारकों द्वारा योग्य होती जो ऐसी स्थगित बैठक में व्यक्तिगत रूप में या प्राक्ती द्वारा या सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित हैं और वे वह कारबाह कर सकेंगे जिसके लिए बैठक बुलाई गई थी।

परन्तु काई जी वार्षिक साधारण बैठक उग तारीख से, जिसके भीतर अधिनियम की धारा 13च के नियंत्रणों के अनुसार ऐसी वार्षिक साधारण बैठक की जाएगी, वार्ष की तारीख को स्थगित नहीं की जाएगी और यदि आगामी सप्ताह में उसी दिन बैठक स्थगित करने का यह प्रभाव होता है तो वार्षिक साधारण बैठक स्थगित नहीं की जाएगी; किन्तु बैठक का कारबाह बैठक के लिए नियत समय से एक घंटे के भीतर यदि गणपूर्ति हो गई हो या उस समय से एक घंटे की समाप्ति के ठीक पश्चात, प्रारंभ किया जाएगा और वे शेयरधारक, जो ऐसे समय पर व्यक्तिगत रूप से या प्राक्ती द्वारा या सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित हैं, गणपूर्ति करेंगे।

55. साधारण बैठकों का अध्यक्ष:—(1) अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में प्रबंध निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में पूर्णकालिक निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में निदेशकों में से ऐसा कोई एक निदेशक, जिसे अध्यक्ष द्वारा सामान्यतया या किसी विशिष्ट बैठक के प्रबंध में इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए, बैठक का अध्यक्ष होगा और यदि अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक या निमित्त प्राधिकृत निदेशक उपस्थित नहीं है तो बैठक में उपस्थित किसी अन्य निदेशक को बैठक का अध्यक्ष हो के लिए निर्वाचित किया जाएगा।

(2) साधारण बैठक का अध्यक्ष सभी साधारण बैठकों में प्रक्रिया विनियमित करेगा और उग विशिष्ट रूप में वह क्रम विनियिक्त करने की, जिसमें शेयरधारक बैठक को संबोधित कर भर्ते, भाषणों के लिए समय-सीमा नियम करने की, कार्यवाही तब समाप्त करने की, जब उसकी राय में किसी विषय पर संतोषप्रद रूप से विवार-विवरण कर लिया गया है, और बैठक स्थगित करने की शक्ति होगी।

56. साधारण बैठकों में हाजिर होने के हकदार व्यक्ति:—
(1) विकास बैठक के सभी निदेशक और शेयरधारक, उन्नियम (2) के उत्तरों के अधीन रहने वाले साधारण बैठक में हाजिर होने के हकदार होंगे।

(2) किसी ऐसे ज्ञेयरधारक से जो केन्द्रीय सरकार या कोई निदेशक नहीं है और जो भाग्यरण बैठक में हाजिर हो रहा है, जिसकी वहचत के बांजन के लिए और उसका मानाधिकार प्रवालित करने के लिए, विकास बैठक का एक ऐसा प्रबल हस्ताक्षर करके परिदिन करने की अपेक्षा की जाएगी जिसमें निम्नलिखित संबंधित विशिष्टियां हों:—

(क) उसका पूरा नाम और रजिस्ट्रीकृत पता;

(ख) उसके शेयरों के मुभिक संख्याक;

(ग) क्या वह मनदान करने का हकदार है और उन मतों की संख्या जिनके लिए वह स्वर्ण या प्राक्ती या सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में हकदार है।

57. साधारण बैठकों में मनदान:—(1) किसी साधारण बैठक में मनदान के लिए रखे गए संकल्प का जब तक कि मनदान की मात्रा नहीं की जाती है, विनिश्चय साथ उठाकर किया जाएगा।

(2) जैसा अधिनियम में अन्यथा उल्लिखित है उसके सिवाय किसी साधारण बैठक में प्रस्तुत किया गया प्रत्येक मामला बहुमत में विनिश्चित किया जाएगा।

(3) जब तक कि उन्नियम (1) के अवीन मनदान की मात्रा नहीं की जाती है बैठक के अध्यक्ष की यह घोषणा कि हाथ उठाकर किया गया संकल्प या तो सर्वसम्मति या विशिष्ट बहुमत्या द्वारा पारित कर दिया गया है या नहीं कर दिया गया है और कार्यवाहियों के कार्यवृत्त को अन्तिमिट करने वाली पुस्तकों में उस प्रभाव की प्रविष्टि ऐसे संकल्प के पक्ष में या उसके विरुद्ध डाले गए मतों की संख्या या अनुपात के स्वरूप के बिना उस तथ्य का निश्चायक साक्ष्य होगी।

(4) हाथ उठाकर किए गए किसी संकल्प पर मनदान के परिणाम के पूर्व या घोषणा हो जान पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा व्यवरेण्या में मनदान करने का आदेश किया जाएगा और उसके द्वारा उपस्थित तथा विकास बैठक में शेयर, जो संकल्प पर मनदान करने को शक्ति प्रदान करते हैं जो संकल्प की बाबत कुल मनदान शक्ति के एक घटा भाग से कम नहीं है, धारण करने वाले किसी शेयरधारक या शेयरधारकों द्वारा उस निर्मित की गई मात्रा पर मनदान किए जाने का उसके द्वारा आदेश किया जाएगा।

(5) मनदान के लिए की गई मात्रा उस व्यक्ति या उग व्यक्तियों द्वारा किसी ममय वापर ली जा सकेगी जिसमें या जिन्होंने मात्रा की थी।

(6) स्थगन के प्रस्तुत बैठक के अध्यक्ष के निवाचिन पर मांगा गया मतदान तुरंत हिदा जाएगा।

(7) किसी अध्यक्ष प्रश्न पर मांगा गया मतदान ऐसे समय पर किया जाएगा जो उस गतय से अड़ालीस बैठक के पश्चात् का नहीं होगा जब मांग की गई थी, जैसे भी बैठक का अध्यक्ष तिरिछट करे।

(8) मतदान करने के लिए किसी व्यक्ति की अर्हता के बारे में और मतदान करने के बारे में, उन मर्तों की संख्या के बारे में जो कोई व्यक्ति प्रयोग करने के लिए मक्षम है, बैठक के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

58. माधारण बैठकों में कार्यवृत्त (1) विकास बैंक सभी कार्यवाहियों के कार्यवृत्त उस प्रयोजन के लिए रखी गई पुस्तकों में रखवायेगा जो खुले पत्तों वाली जिलदों के रूप में हो सकेंगी।

(2) कोई ऐसे कार्यवृत्त, जिनका उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा जिसमें कार्यवाहियों की गई थीं या ठीक बाद की बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना तात्पर्यित है, उसमें की गई कार्यवाहियों का माध्य होगे।

(3) जब तक परिकूल मावित न कर दिया जाए उन कार्यवाहियों की बाबत, जिनके कार्यवृत्त इस प्रकार तैयार किय गए हैं, प्रत्येक माधारण बैंक सम्पूर्ण रूप से बुझाई और की गई समझी जाएगी और उसमें की गई सभी कार्यवाहियों सम्पूर्ण रूप से को गई समझी जाएगी।

अध्याय VII

शेयरधारकों के मतदान अधिकार

59. मतदान अधिकारों का अवधारण:—(1) अधिनियम की आरा 13(क) के उपर्योगों के अधीन रहते हुए:—

(क) हाथ उठाकर मतदान में मतदान करने के लिए हकदार और स्वयं या अटर्नी अवता प्राक्सी द्वारा उपस्थित प्रत्येक शेयरधारक का एक मत होगा।

(ख) मतदान में प्रत्येक शेयरधारक का, जो व्यष्टि होते हुए स्वयं या अटर्नी अवता प्राक्सी द्वारा उपस्थित हैं या केन्द्रीय सरकार या निगमित निकाय होते हुए किसी प्रतिनिधि की मार्फत उपस्थित है, विकास बैंक की समावृत्त ईक्विटी पूँजी में उपर्योग के अनुपात में मतदान अधिकार होगा।

(2) किसी माधारण बैठक में उपस्थित होने और मतदान करने के हकदार विकास बैंक के कोई शेयरधारक किसी अन्य व्यक्ति का (वाहे शेयरधारक हो या नहीं) अपने बजाए उपस्थित होने और मतदान करने के लिए अपने प्राक्सी के रूप में निरुक्त करने का हकदार होगा; किन्तु इस प्रकार नियुक्त प्राक्सी को बैठक में बोलने का कोई अधिकार नहीं होगा।

(3) प्राक्सी के रूप में निरुक्त किया गया व्यक्ति के बाप किसी मतदान में मत देने का हकदार होगा।

60. सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान:—

(1) कोई शेयरधारक, जो केन्द्रीय सरकार या निगमित निकाय है, अपने किसी पदधारी या अन्य व्यक्ति को शेयरधारकों की किसी माधारण बैठक में अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा और इस प्रकार प्राधिकृत व्यक्ति (जिसे इन विनियमों में "सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि" कहा गया है) उसीं अधिकारों का, जिनके अंतर्गत प्राक्सी द्वारा मतदान करने का अधिकार और केन्द्रीय सरकार या ऐसे निगमित निकाय की ओर से शक्तियां हैं, प्रयोग करने के लिए हकदार होगा मात्र वह विकास बैंक का व्यष्टिक शेयरधारक हो।

(2) कोई भी व्यक्ति विकास बैंक के शेयरधारकों की किसी बैठक में किसी निगमित निकाय के सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित और मतदान करने का तब तक हकदार नहीं होगा जब तक कि उस सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने वाले संकल्प को एक प्रति जो उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित हो जिसमें वह पारित किया गया था, बैठक के लिए नियत तारोंवाले से कम से कम चार दिन पूर्व विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा न कर थी गई हो।

लग्टीकरण—इस विनियम के प्रयोजन के लिए किसी निगमित निकाय के अंतर्गत सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या सोसाइटीयों के रजिस्ट्रीकरण के लिए उपर्योग करने वाली तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी भी है।

61. प्राक्सी:—(1) प्राक्सी की कोई भी लिखित तब तक विधिमात्र नहीं होगी जब तक कि व्यष्टिक शेयरधारक की दणा में वह उसके द्वारा या लिखित रूप में सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत उसके अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित न हो या मनुक शेयरधारकों को दणा में वह रजिस्टर में प्रथम नामित शेयरधारक या लिखित रूप में सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत उसके अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं हो या निगमित निकाय की दणा में वह उसकी मामान्य मुद्रा के अधीन, यदि कोई

हो, नियादित नहीं का गई या लिखित रूप में समाकृत्य से प्राधिकृत उसके अटार्ड द्वारा हस्ताक्षरित नहीं है:

परन्तु आक्सी की लिखित फिरी ऐसे शेयरधारक द्वारा पर्याप्त रूप ने हस्ताक्षरित की जाएगी जो किसी कारण से अपना नाम लिखने में अमर्भव है यदि उसकी अंगूठा छाप उस पर लगी हुई है और किसी न्यायाधीश, भजिस्ट्रेट, हस्तांतरण पर्वों के रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार या अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी या फिरी राष्ट्रीयकृत बैंक या विकास बैंक के किसी अधिकारी द्वारा प्रमाणित है।

(2) कोई भी प्राक्सी तब तक विधिमान्य नहीं होगी जब तक कि वह सम्प्रकृत रूप से स्टांपित नहीं है और उसकी एक प्रति बैंक के लिए नियन्त्रण से पूरे चार दिन पूर्व उस मुख्यारनामा या अन्य प्राधिकार (यदि कोई हो) के माध्यम से अधीन वह हस्ताक्षरित की गई है या किसी नोटरी पत्रिका या भजिस्ट्रेट द्वारा प्रमाणित उस मुख्यारनामा या प्राधिकार की प्रति विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा नहीं कर दी गई है जब तक कि ऐसा मुख्यारनामा या अन्य प्राधिकार पहले ही विकास बैंक के पास जमा और रजिस्टर नहीं कर दिया गया है।

(3) प्राक्सी की कोई भी लिखित तब तक विधिमान्य नहीं होगी जब तक कि वह प्रस्तुत रूप में नहीं है।

(4) विकास बैंक के पास जमा की गई प्राक्सी की लिखित अप्रतिसंहस्रणीय होगी जब तक कि:—

(क) प्राक्सी के जमा करने की अंतिम तारीख को या उसमें पूर्व अनुदान के हस्ताक्षर या सामान्य मुद्रा के अधीन एक लिखित मूल्यना विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा नहीं कर दी गई है जिसमें:—

- उस अक्ति का नाम कथित होगा जिसके पथ में लिखित दो गई थी; और
- यह कथित होगा कि ऐसी लिखित प्रतिसंहस्रण की गई है; या

(ख) यह कथित होगा कि वह उप-विधिमान्य (6) के अधीन अविधिमान्य समझी जाती है।

(5) अनुकूलन: दो प्राप्तिकर्ताओं के पश्च में दो गई प्राक्सी की लिखित की दिशा में प्रतिसंहस्रण की मूल्यना में दूसरे या अनुकूलीय प्राप्तिकर्ता का नाम वर्णित करना आवश्यक नहीं होगा परन्तु यह तब जब मूल्यना उस प्राक्सी को लिखित की जिसको प्रतिसंहस्रण करने का आवश्य है सदैह से पूरे पहचान करने में अन्यथा पर्याप्त है।

(6) यदि उन्हीं शेयरों की बाबत दो या अधिक प्राक्सी की लिखितें जमा की जाती हैं और यदि प्राप्तिकर्ता के जमा करने के लिए अंतिम दिन को या उसमें पूर्व ऐसी

प्रतिसंहस्रण में से एक को छोड़कर सर्व। प्रतिसंहस्रण उप-विधिमान्य (4) में अदिक्षित प्रतिक्रिया के अनुसार सम्प्रकृत रूप से प्रतिसंहस्रण कर दी गई हों तो सभी ऐसी प्राक्सी की लिखित अविधिमान्य समझा जाएगा।

(7) प्राक्सी की लिखित का प्रतिसंहस्रण उप-विधिमान्य (2) में वितर्फिट सम्बद्ध के भीतर एक अन्य विधिमान्य प्राक्सी की लिखित को जमा करने की प्रतिष्ठित नहीं करेगा।

(8) किसी प्राक्सी की लिखित का, जो इस विधिमान्य के अधीन अप्रतिसंहस्रणीय हो गई है, अनुदान उस बैंक में जिसमें ऐसी लिखित संबंधित है, स्वप्न मतदान करने के लिए हक्कदार नहीं होगा।

(9) कोई भी व्यक्ति जो विकास बैंक का अधिकारी या कर्मचारी है सम्प्रकृत रूप से प्राधिकृत प्रतिगिधि या प्राक्सी के रूप में नियक्त नहीं किया जाएगा।

(10) इस विधिमान्य में अंतर्फिट कोई बात केवल सरकार को लाग नहीं होगी और केन्द्रीय सरकार ऐसे व्यक्ति को, जिसे वह विकास बैंक की किसी साधारण बैंक में अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए ठंडक समझे, नियुक्त कर सकेगी। इस प्रकार नियुक्त कोई व्यक्ति बैंकों के प्रयोगजन के लिए विकास बैंक का शेयरधारक समझा जाएगा और उन्हीं अधिकारी और शक्तियों का प्रयोग करेगा जो केन्द्रीय सरकार बैंक में प्रयोग करने के लिए हक्कदार होगी।

अध्याय VIII

निवेशकों का निर्वाचन

62. निवेशक साधारण बैंकों में निर्वाचित किए जाएंगे:

(1) गधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (३) के अधीन निर्वाचित निवेशक विकास बैंक की वार्षिक साधारण बैंक में शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित किया जाएगा।

(2) निर्वाचित किए जाने वाले निवेशकों की संख्या और विशिष्ट जिक्रियां जिनका वादत निर्वाचन किया जाना है वार्षिक साधारण बैंक द्वारा वाली मूल्यना में विनिर्दिष्ट की जाएंगी।

63. निर्वाचन के लिए उम्मीदवारों का नामनिर्देशन:—

(1) निवेशक के रूप में निर्वाचन के लिए कोई भी उम्मीदवार शिधिमान्य रूप से तब तक नामनिर्दिष्ट नहीं किया जाएगा जब तक कि:—

(क) वह नामनिर्देशन की प्राप्ति के लिए अंतिम नार्याय को शिधिमान्य की धारा 6 या की उपधारा

(1) के अवान निवेशक होने के लिए निर्हित नहीं होते;

(ब) नामनिर्देशन लिखित रूप में नहीं है और अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ङ) के अधीन निदेशकों का नामनिर्देशन करने के हकदार कम से कम दो शेयरधारकों द्वारा या उनके सम्यक् रूप से गठित ग्रटरी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं है परन्तु वह कि उस शेयरधारक द्वारा, जो किसी निर्गमित निकाय है, नामनिर्देशन उक्त निर्गमित निकाय के निदेशकों के संकल्प द्वारा किया जा सकेगा और जहाँ वह ऐसे किया जाता है वहाँ संकल्प की एक प्रति जो उस बैंक के, जिसमें वह पारित किया गया था, अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित मई प्रति के रूप में विकास बैंक के प्रधान कार्यालय को भेजी जाएगी और ऐसी प्रति ऐसे निर्गमित निकाय की ओर से नामनिर्देशन नमझी जाएगी।

(ग) नामनिर्देश के भाग या उम्में किसी व्याधीश, भजिट्रेट, हस्तांतरण पत्रों के रजिस्ट्रार या उपरजिस्ट्रार या अन्य सञ्चयित अधिकारी या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या विकास बैंक के किसी अधिकारी के समक्ष उम्मीदवार द्वारा हस्ताक्षरित यह वांछणा नहीं है कि वह नामनिर्देशन को स्वीकार करता है और निर्वाचित किए जाने के लिए खड़ा होने के लिए रजामंद है और कि वह अधिनियम की धारा 6 खंड (ग) और (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट निदेशकों में से कोई दो होंगे, विनिश्चय के लिए तुरन्त निर्दिष्ट करेगा।

(2) कोई भी नामनिर्देशन तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक कि वह सभी पहलुओं से पूर्ण नहीं है और विकास बैंक के प्रधान कार्यालय में बैंक के लिए नियत तारीख से कम से कम चौदह दिन पूर्व किसी कार्य-दिवस को प्राप्त नहीं किया जाता है।

64. नामनिर्देशनों की संवीक्षा:—(1) नामनिर्देशनों की प्राप्ति के लिए नियत तारीख से अगले प्रथम कार्य दिवस को नामनिर्देशनों की संवीक्षा की जाएगी और यदि कोई नामनिर्देशन विधिमान्य नहीं राया जाता है तो वह उसके लिए कारण लेखबद्ध करने के पश्चात नामजूर कर दिया जाएगा। यदि निर्वाचित द्वारा भी जाने वाली किसी विशिष्ट रिक्ति के लिए केवल एक विधिमान्य नामनिर्देशन है तो इस प्रकार नामनिर्दिष्ट उम्मीदवार तुरंत निर्वाचित किया गया समझा जाएगा और उसका नाम तथा पता इस प्रकार निर्वाचित किए गए स्वरूप में प्रकाशित किया जाएगा। ऐसी दशा में उस प्रोजेक्ट के लिए बुलाई गई बैठक में कोई निर्वाचित नहीं होता और यदि बैठक केवल उपर्युक्त निर्वाचित के लिए बुलाई गई थी तो वह रद्द हो जाएगी।

(2) किसी विद्यमान रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित किसी निदेशक द्वारा, उस तारीख से, जिसको वह निर्वाचित किया जाता है या किया गया समझा जाता है, अगली तारीख को पब्लिक संभाला गया समझा जाएगा।

65. निर्वाचित विवाद:—(1) यदि निर्वाचित समझे गए या घोषित व्यक्ति की अहंता या निरहंता के बारे में या किसी निदेशक के निर्वाचित की विधिमान्यता के बारे में कोई संदेह या विवाद खड़ा होना है तो काई हितबद्ध व्यक्ति जो उम्मीदवार या ऐसे निर्वाचित में मतदान करने के लिए हकदार शेयरधारक हैं ऐसे निर्वाचित के दलितान की घोषणा की तारीख से सात दिन के भीतर उसकी लिखित सूचना विकास बैंक को दे सकेगा और उस सूचना में उन आधारों की, जिन पर वह निर्वाचित की विधिमान्यता पर संदेह या विवाद करता है, पूर्ण विशिष्टियां देगा।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन किसी सूचना की प्राप्ति पर विकास बैंक का अध्यक्ष ऐसे संदेह या विवाद को किसी समिति के, जिसमें वह और अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) और (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट निदेशकों में से कोई दो होंगे, विनिश्चय के लिए तुरन्त निर्दिष्ट करेगा।

(3) उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट समिति ऐसी जांच करेगी जो वह ठीक समझती है और यदि उसका निष्कर्ष है कि निर्वाचित विधिमान्य निर्वाचित या तो वह निर्वाचित के घोषित परिणाम की पुष्टि करेगी या यदि उसका यह निष्कर्ष है कि निर्वाचित विधिमान्य निर्वाचित नहीं था तो वह जांच के प्रारंभ होने से तीस दिन के भीतर ऐसा अदिश करेगी और ऐसे निवेश देगी जिनके अंतर्गत नए निर्वाचित कराना है, जो उन परिस्थितियों में समिति को व्याप्ति संगत होंगे।

(4) इस विनियम के अनुसरण में ऐसी समिति का कोई आदेश या निवेश निश्चयाक होगा।

66. निदेशक को हटाना:—निदेशक को, जिसका हटाया जाना अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4ख) के अधीन में चाहा गया है ऐसे हटाए जाने के विरुद्ध लिखित अभ्यावेदन (जो प्रक्रियुक्त लंबाई से अदिक न हो) करों का अवसर दिया जाएगा और ऐसा अभ्यावेदन यदि वह निदेशक ऐसा अनुरोध करता है तो केंद्रीय सरकार में भिन्न शेयरधारकों के बीच परिचालित किया जाएगा या अनुकूलतः यदि वह निदेशक इस प्रकार अनुरोध करता है तो भारत में परिचालित किसी समाचारसंग्रह में प्रकाशित किया जाएगा और यदि अभ्यावेदन का ऐसा परिचालन या प्रकाशन भूम्य के प्रभाव के कारण संभव नहीं है तो उस बैंक में पढ़ा जाएगा।

अनुसूची 1

(विनियम 14 वें)

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

31 मार्च को तुलन पत्र

पूर्व वर्ष (₹०)	दायित्व	इस वर्ष (₹०)
--------------------	---------	-----------------

1. शेयर पूँजी :
 - प्राधिकृत
 - निर्गमित और समाप्त
2. आरक्षितियाँ निधियाँ और अधिग्रहण
 - (i) आरक्षित निधि
 - (ii) अन्य निधियाँ
 - (iii) आरक्षितिया

घटा : लाभ और हानि लेखा में नामे प्रतिशेष, यदि कोई हो।
 - (iv) अधिग्रहण
3. उपहार, प्रतुक्तान, नंदान और दान :
 - (i) सरकार से
 - (ii) अन्य स्रोतों से
4. बंधपत्र और डिवेचर :
5. निधेप :
6. उद्धारणायाँ :
 - (i) भारतीय रिजर्व बैंक से
 - (क) स्टॉक, निधियों और अन्य न्यायी प्रतिसूतियों पर प्रतिभूत
 - (ख) विनियम पत्रों या बचन-पत्रों पर प्रतिभूत
 - (ग) राष्ट्रीय औद्योगिक प्रश्यव (शीर्षिक्षि परिचालन) निधि में से
 - (ii) भारत सरकार से :
 - (क) बाजारमुक्त उपकरण
 - (ख) अन्य उपकरण
 - (iii) अन्य स्रोतों से
 - (iv) विदेशी कर्मी में
7. चालू व्यायित्व और उपबंध

रामाश्रित वागित्य :

- (i) बैंक पर किए गए दावे जो क्षणों के रूप में स्वीकृत नहीं हैं
- (ii) दी गई प्रत्यामुखि के कारण
- (iii) भारतीयां प्रतिबद्धताओं के कारण
- (iv) अंशतः संबल योगरों, डिवेचरों प्रादि पर मांगी न गई राशियों के कारण
- (v) भनराण्याँ जिनके लिए बैंक समाधित रूप से दायी हैं

अनुसूची-I—(ज्ञारो)

पूर्व वर्ष (₹०)	आस्तियाँ	इस वर्ष (₹०)
--------------------	----------	-----------------

1. नकदी और बैंक प्रतिशेष :

- (i) हाथ में नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में प्रतिशेष
- (ii) अन्य बैंकों में प्रतिशेष :
 - (क) चालू आते में
 - (ख) नियोप आते में

2. विनिधान :@

- (i) केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में
- (ii) वित्तीय संस्थाओं के स्टॉक, योगरों, बंधपत्रों और डिवेचरों में
- (iii) औद्योगिक समत्थानों के स्टॉक, योगरों, बंधपत्रों और डिवेचरों में

3. उत्तरांशियाँ :

- (i) अनुसूचित बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं को
- (ii) औद्योगिक समत्थानों को

1. मिलिकाटे पर भुनाए गए या मिलिकाटे पर पुनः भुनाए गए विनियमपत्र और बजनपत्र .

5. परिसर

(लागत में से मूल्यहास घटाकर)

6. अन्य स्थिर आस्तियाँ :

(लागत में से मूल्यहास घटाकर)

7. अन्य आस्तियाँ :

8. लाभ और हानि लेखा :

@कुल बाजार मूल्य उपर्याप्त किया जाएगा यदि वह वही मूल्य से कम है।

प्रनुस्त्री-II

(विनियम 14 देखें)

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
31 मार्च को ममाप्त हुए वर्ष
का लाभ-हानि लेखा

पूर्व वर्ष व्यय इस वर्ष

(रु.) (रु.)

1. निधियों, उधारों आदि पर संदर्भ व्याप्ति
2. स्थापन व्यय
3. निदेशकों और कार्यपालक समिति के सदस्यों की फीस और व्यय
4. लेखा-परीक्षकों की फीस
5. किराया, कर, श्रीमा, प्रकाश-व्यवस्था आदि
6. विधि प्रभार
7. डाक महमूल, तार और टिकट
8. लेखन-सामग्री, मुद्रण, विकापन आदि
9. मूल्यांकन
10. विनिधानों के विक्रय पर एक हानि (जिसे आरंभिन्नों में या किसी विशिष्ट निधि या खाते में नामे नहीं डाला गया है)
11. अन्य व्यय
12. अप्रेणीत लाभ अतिशेष
13. अप्रेणीत हानि-अतिशेष
14. गत वर्ष से अप्रेणीत हानि-अतिशेष
15. कराधान के लिए उपबंध
16. विनियोग
17. तुलनात्मक में ले जाया गया लाभ अतिशेष

आय

(वर्ष के द्वितीय द्वितीय और शंकास्पद अर्णों के लिए किए गए उपबंध और अन्य आवश्यक और समीक्षीय उपबंधों को घटाइए)

पूर्व वर्ष इस वर्ष

(रु.) (रु.)

1. व्याज और मितिकाटे पर भुगतान
2. विनिधानों से आय
3. कमीशन, वसाली आदि

4. विनिधानों के विक्रय से एक लाभ (जो आरंभिन्न निधि या किसी विशिष्ट निधि या खाते में जवा नहीं किया गया है)

5. अन्य आय

6. अप्रेणीत हानि-अतिशेष

7. अप्रेणीत लाभ-अतिशेष

8. गत वर्ष से अप्रेणीत लाभ-अतिशेष

9. तुलनात्मक में ले जायी गयी हानि-अतिशेष

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

प्रब्लेम

शेयर अंतरण प्रब्लेम

[विनियम 25 का उप-विनियम (1) देखें]

नीचे कथित प्रतिफल के लिए नामिन “अंतरक” नामिन “अंतरिक्षी” (अंतरिक्षियों) को नीचे विनिविष्ट शेयरों का इसके द्वारा अंतरण उन शर्तों के अधीन रहते हुए करते हैं, जिन पर उक्त शेयर अंतरक (अंतरकों) द्वारा अवधारित हैं, और अंतरिक्षी उक्त शेयरों को उत्तरक शर्तों के अधीन रहते हुए, स्थीकार करते और आरण करने का इसके द्वारा करार करते हैं।

उम मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज का नाम, जहाँ कारबार किया जाता है, यदि कोई हो

साक्षात्रण/प्रधिमात्री शेयरों का वर्णन

अंकों में संख्या	शब्दों में संख्या	प्रतिफल (अंकों में)	प्रतिफल (शब्दों में)
---------------------	----------------------	------------------------	-------------------------

सुधिक्ष संख्यांक	से तक
---------------------	----------

तरस्टानी

प्रमाणपत्र सं०

अंतरक (अंतरकों) [विकेता रजिस्ट्रीकृत (विकेताओं) की फोलियो सं०

विशिष्टियाँ

पूरा नाम	1.	1.
	2.	2.
	3.	3.
	4.	4.

प्रतुप्रमाणन

मैं इसमें पर्णत्र अंतरक (अंतरकों)
के हस्ताक्षर को दृष्टके द्वारा
प्रतुप्रमाणित करता हूँ

मासों के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

साथी का नाम और पता

नाम

पता/मुद्रा
अंतरिती (अंतरितियों) [क्रेन
/क्रेनधोरों] की विशिष्टियों

हस्ताक्षर
पता

पूरा नाम

1. 1.
2. 2.
3. 3.

उपभोविका	पता	पिता/पति का नाम
1		
2.		
3.		

अंतरिती (अंतरितियों) का विद्यमान फॉलियो, वर्दि कोई हो, नामों के उभी क्रम में तारीख स्थान	लगाई गई स्टांपों का मूल्य स्थान
--	------------------------------------

केबल कार्यालय अपार्शी के लिए	फॉलियो
द्वारा जात्त की गई	अंतरिती (अंतरितियों) 1
द्वारा हस्ताक्षर मिलान के नम्बर हस्ताक्षर	2
किए गए	
अंतरण म.	पर
रजिस्टर में वर्ज किया गया	
प्रतुप्रमाणन की तारीख	

अंतरिती के लिए अनुरोध

प्रतुप्रमाणन, जहाँ प्रोत्थित हो (अंगूठा छाप, घिन्ह, हस्ताक्षर भिन्नता
आदि) किसी मजिस्ट्रेट नोटरी पब्लिक या विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट
या लोक पद धारण करने वाले और अपने पद की मुद्रा का उपयोग करने
के लिए प्राधिकृत न्तमान प्राधिकारी या किसी मान्यताप्राप्त स्टाक
एक्सचेज के किसी समस्य द्वारा जिसकी मार्फत शेयर सम्पत्ति किए
जाते हैं या अंतरक के बैंक के प्रत्येक द्वारा दिया जाता चाहिए।

2974 GI/94—3

टिप्पण: नामों की, अधिकारित सीधा वक्ति में रबर को महर लगानी
चाहिए। वर्तमान दिनापूर रखता चाहिए। जब परिदान किसी निकासी
सरस्य बैंक द्वारा किया जाता है तब दलाल का निकासी संश्योक कथित
करना चाहिए।

परिदान करने वाले तारीख

दलाल का नाम या

निकासी संश्योक

मुक्तारनमा

प्रोवेट

मृत्यु प्रमाण पत्र

प्रशासन पत्र

कंपनी के पास रजिस्ट्रीकेशन

सं. तारीख
दलाल, बैंक, कंपनी या स्टाक प्रोवेज
मामांगाधन गृह के हस्ताक्षर
(आद्यक्षर नहीं)

द्वारा प्रस्तुत

पूरा पता:

शेयर प्रमाणपत्र
(बहु नाम और पता भरे
जिसपर प्रमाणपत्र वापस
किए जाने अपेक्षित हैं)
को वापस किया जाएगा

नाम और पता:

शेयर अंतरण स्टाप

भारतीय ओर्डिनियल विकास बैंक

प्रस्तुत

प्राकसी का प्रस्तु

(विनियम 61 का उप-विनियम (3) देखें)

राज्य में जिसे में का/के निवासी मैं/
हम विकास बैंक का/के शेयरधारक होने हुए राज्य में
जिसे में के निवासी श्री/ जी की ओर
उसके प्रसकत रहने पर राज्य में जिसे में
के निवासी श्री/ को को होने वाली
ओर उसके किसी स्थगन पर भारतीय ओर्डिनियल विकास बैंक के शेयर
धारकों की बैंक में में/हमारी ओर से मस्दान करने के लिए उसके
द्वारा अपना प्राकसी नियुक्त करता हैं।

तारीख: द्वारा हस्ताक्षरित।

₹ 0/-

ए. लहरी, महा. प्रबधक

प्रमाणित किया जाता है कि लालत सराजा ने भारतीय ओर्डिनियल
विकास बैंक, विनियम, 1961 के मंगोधनों का अपने पत्र में 10(32)/
I.F.I/94 तारीख 26-12-1994 द्वारा प्रतुप्रमाणन किया है।

₹ 0/-

भारतीय नियम, संयुक्त विधि सम्बन्धीय

INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA

(Industrial Development Bank of India General Regulations, 1994)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1994

F. No. 1409|Legal.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 37 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) and in supersession of the Industrial Development Bank of India General Regulations, 1964 except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Board, with the previous approval of the Central Government, makes the following regulations, namely:—

CHAPTER I PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These Regulations may be called Industrial Development Bank of India General Regulations, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) “the Act” means the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964);
- (b) ‘Form’ means a form appended to these regulations.
- (c) “member” means a member of the Executive Committee constituted under sub-section (1) of section 7 of the Act, or as the case may be, any other committee constituted under sub-section (3) of section 7 of the Act;
- (d) “register” means the register of shareholders kept in one or more books of the Development Bank and includes the register of share-holders kept in computer floppies or diskettes under section 13B of the Act;
- (e) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER II

MEETINGS OF BOARD AND EXECUTIVE COMMITTEE

3. Meetings of the Board.—(1) Meetings of the Board shall be convened by the chairman or in his absence, by the managing director or in the absence of both, by the whole-time director.

(2) Any three directors may require the chairman or in his absence, the managing director or in the absence of both, the whole-time director to convene a meeting of the Board at any time and he shall forthwith convene a meeting accordingly.

(3) Meetings of the Board shall be held at the head office of the Development Bank, or at such other place in India as may be specified in the notice convening the meeting.

(4) Not less than fifteen days notice shall ordinarily be given of each meeting of the Board and such notice shall be sent to every director at his usual address in India. Should it be found necessary to convene an emergency meeting, sufficient notice shall be given to every director to enable him to attend.

(5) No business other than that for which the meeting was convened shall be discussed at a meeting of the Board, except with the consent of the person presiding at the meeting and a majority of the directors present, unless one clear week's notice has been given of the same in writing to the chairman or the managing director.

(6) Quorum for the transaction of business at a meeting of the Board shall be one-third of the total number of persons for the time being constituting the Board (any fraction contained in that one-third being rounded off as one).

(7) A resolution in writing circulated to all the directors at their usual addresses in India and approved and signed by a majority of such directors who are then in India, one of whom shall be the chairman or the managing director, shall be valid and effectual and shall be deemed to be the resolution passed by the Board on the date on which it is concurred and signed by the last signatory to the resolution :

Provided that if any dissenting director requires in writing that any resolution so passed shall be placed before a meeting of the Board, the resolution shall not be deemed to be valid and effectual as aforesaid, unless the same is passed at such meeting.

(8) A copy of the proceedings of each meeting of the Board shall be circulated as soon as possible thereafter for the information of the directors and shall be signed by the person presiding at that or the next succeeding meeting.

4. Powers of the Executive Committee.—(1) The Executive Committee shall have full powers to transact all the usual business of the Development Bank except in such matters as are specifically reserved to the Board under the Act or any regulations made thereunder.

(2) In the exercise of its powers, the Executive Committee shall be bound by such general or special directions as the Board may give from time to time.

5. Meetings of the Executive Committee.—(1) Meetings of the Executive Committee may be convened from time to time at the head office of the Development Bank, or at such other place in India as may be specified in the notice convening the meetings, so however that at least one meeting shall be convened in each calendar month. Sufficient notice shall be given for such meetings.

(2) Quorum for the transaction of business at a meeting of the Executive Committee shall be one-third of the total strength of the Executive Committee (any fraction contained in that one-third being rounded off as one).

(3) Save as otherwise provided in this regulation, the provisions of the Act and, of these regulations shall apply to meetings of the Executive Committee as if they were meetings of the Board.

6. No director or member to deal with matters with which he is personally concerned.—(1) Every director of the Board and every member of the Executive Committee who is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in a contract or arrangement or proposed contract or arrangement entered into or to be entered into, by or on behalf of the Development Bank shall disclose the nature of his concern or interest at a meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be :

Provided that it shall not be necessary for a director or member to disclose his concern or interest in any such contract or arrangement proposed to be entered into with a company or a foreign company within the meaning of the Companies Act, 1956, where the concern or interest consists only in his holding either singly or together with any other director or directors of the Board or any other member or members of Executive Committee, in the aggregate not more than two percent of the paid-up share capital in such company.

(2) (a) In the case of a proposed contract or arrangement, the disclosure required to be made by a director of the Board or member of the Executive Committee under sub-regulation (1) shall be made at the meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, at which the question of entering into contract or arrangement is first taken into consideration, or if the director or member, was not, at the date of that meeting concerned or interested in the proposed contract or arrangement, at the first meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, held after he becomes so concerned or interested.

(b) In the case of any other contract or arrangement, the required disclosure shall be made at the first meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be held after the director or member becomes concerned or interested in the contract or arrangement.

(3) (a) For the purpose of sub-regulations (1) and (2) a general notice given by a director or a member, to the Board or to the Executive Committee, as the case may be, to the effect that he is a director or a member of a specified body corporate or is a member of a specified firm and is to be regarded as concerned or interested in any contract or arrangement which may after the date of the notice, be entered into with that body corporate or firm, shall be deemed to be a sufficient disclosure of concern or interest in relation to any contract or arrangement so made.

(b) A director or a member giving a general notice to the Board or Executive Committee under clause (a) shall as soon as possible, give notice of any change in the particulars contained therein.

(c) No such general notice, (no notice of any change therein), be of effect unless either it is given at a meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, or the director or member concerned, takes reasonable steps to secure that it is brought upon and read at the first meeting of the Board or the Executive Committee, as the case may be, after it is given.

(4) No director of the Board and no member of the Executive Committee, shall, as a director or member, as the case may be, take any part in the discussion of, or vote on, any contract or arrangement entered into or to be entered into by or on behalf of the Development Bank, if he is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in such contract or arrangement, nor shall his presence count for the purpose of form-

ing a quorum at the time of such discussion or vote; and if he does vote, his vote shall be void :

Provided that nothing herein contained shall apply to any contract or arrangement entered into or to be entered into with a public company within the meaning of the Companies Act, 1956, (1 of 1956) or a private company within the meaning of that Act, which is a subsidiary of any such public company in which the interest of the director consists solely :—

(i) in his being :—

- (a) a director of such company and
 - (b) the holder of not more than shares of such number of value therein as is requisite to qualify him for appointment as a director thereof, he having been nominated as such director by the Development Bank, or
- (ii) in his being a member holding not more than two per cent, of the paid-up share capital of such company.

7. Ad-hoc Committees.—(1) Any Committee constituted under sub-section (3) of section 7 of the Act shall, in the exercise of the powers entrusted to it: be bound by such general or special directions as the Board or the Executive Committee may give from time to time.

(2) Meetings of any such committee may be convened from time to time at the head office of the Development Bank, or at such other place in India as may be specified in the notice convening the meetings. Sufficient notice shall be given for such meetings.

(3) The quorum for the meeting of any such Committee shall be one third of its strength (any fraction contained in that one-third being rounded off as one).

(4) The provisions of regulation 6 shall apply to every member and to meetings of any such committee in the same manner as that regulation applies to every member and to meetings of the Executive Committee :

Provided that if any such member has given any notice under regulation 6 to the Board or the Executive Committee, it shall not be necessary for him to further disclose his concern or interest in pursuance of this sub-regulation.

CHAPTER III

FEES AND ALLOWANCES OF DIRECTORS

8. Fees and allowances of directors and members of the Executive Committee and other Committees—(1) Subject to the proviso to Section 8 of the Act—

- (i) Every director shall be entitled to receive a fee of Rupees two hundred and fifty only for every meeting of the Board which he attends;
- (ii) Every member of the Executive Committee shall be entitled to receive a fee of Rupees two hundred and fifty only for every meeting of the Executive Committee which he attends;
- (iii) Every member of any committee constituted under sub-section (3) of section 7 of the Act shall, unless he is in receipt of any remuneration, including honorarium other than casual remuneration from the Development Bank be entitled to receive a fee of Rupees two hundred and fifty only for each meeting of such Committee, which he attends.

(2) In addition to such fee, directors and members shall be reimbursed their travelling expenses on such scales as they are entitled to in the respective institutions in which they hold office and in any other case, on such scales as are applicable to the highest Group 'A' officer of the Central Government.

CHAPTER IV

CONTRACTS, COMMON SEAL AND ACCOUNTS

9. Manner and form in which contracts binding on the Development Bank may be executed.—(1) Contracts on behalf of the Development Bank shall be made in writing signed by any person acting under its authority, express or implied and may in the same manner be varied or discharged.

(2) All contracts made according to the provisions of this regulation shall be valid and binding on the Development Bank.

10. Accounts, receipts and documents of the Development Bank by whom to be signed—The managing director, the whole-time director, the

executive directors, the general managers, the joint general managers, the deputy general managers, the secretary and chief accountant and such officers of the Development Bank as the Board may authorise in this behalf by notification in the Official Gazette, to such extent and subject to such limitations, if any, as the Board may specify or impose in so authorising, are hereby severally empowered for and on behalf of the Development Bank to endorse and transfer promissory notes, stock-receipts, stocks, debentures, shares, securities and documents of title to goods, standing in the name of or held in the name of or held by the Development Bank, and to draw, accept and endorse bills of exchange and other instruments in the current and authorised business of the Development Bank and to sign all other accounts, receipts and documents connected with such business.

11. Plaints, etc., by whom to be signed.—Plaints, written statements, affidavits and all other documents connected with legal proceedings may be signed and verified on behalf of the Development Bank by any officer empowered by or under the regulation 10 to sign documents for and on behalf of the Development Bank.

12. Issue of bonds.—(1) The bonds or debentures of the Bank shall be issued under the signature of the chairman or managing director and such signature may be printed, engraved or lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

(2) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.

13. Common Seal.—The Common Seal of the Development Bank shall not be affixed to any instrument except in pursuance of a resolution of the Board or of the Executive Committee, as the case may be, and in the presence of at least three directors including the chairman or the managing director or the whole-time director who shall sign their names to the instrument in token of their presence, and such signing shall be independent of the signing of any person who may sign the instrument as a witness. Unless so signed as aforesaid such instrument shall be of no validity.

14. Balance Sheet and Profit and Loss account.—The Development Bank shall prepare the balance sheet as at 31st March of every year, and a profit and loss account for the year ending on that date, in the forms specified in Schedule I and Schedule II to these regulations.

CHAPTER V

SHARES AND SHARE REGISTER

15. Share to be movable property.—The shares of the Development Bank shall be movable property.

16. Control over shares and registers.—Subject to the provisions of the Act and these regulations, and such directions as the Board may give from time to time, the register kept at the head office shall be maintained by and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.

17. Parties who may not be registered as shareholders.—(1) Except as otherwise provided by these regulations, no minor or person who has been found by a court of competent jurisdiction to be of unsound mind shall be entitled to be registered as a shareholder.

(2) In case of firms, shares shall be registered in the names of the individual partners and no firm, as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.

18. Particulars to be entered in the register.—(1) In addition to the particulars specified in section 13B of the Act, the following particulars shall be entered in the register, namely :—

(a) the manner in which each shareholder acquired his share or shares, and except in the case of allotment of shares to the Central Government, the name of the previous holder and the folio on which the share was last entered;

(b) whether the shareholder is the Central Government or belongs to a category of shareholders other than the Central Govt.; and

(c) when any person ceases to be a shareholder, the name of the person in whose favour the share or shares are transferred.

(2) A separate ledger shall be maintained in respect of (a) the equity shares held by the Central Government and persons other than the Central Government; and (b) preference shares held by the Central Government.

(3) In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (1) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.

(4) A shareholder resident outside India shall furnish to the Development Bank an address in India, and such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.

19. Exercise of rights of joint holders.—If any share stands in the name of two or more persons, the person first named in the registrar shall, as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with the Development Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

20. Inspection of the register.—(1) The register shall except when closed under regulation 21, be open to inspection of any shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Development Bank may impose, so however that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.

(2) A shareholder shall not have the right himself to make a copy of any entry in the register, but may, except when the register is closed, require a copy of the register or any part thereof.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (2), any officer of the Central Government authorised in this behalf by it, shall have the right to make a copy of any entry in the register or require a copy of the register or any part thereof.

21. Closing of the register.—The Development Bank may, after giving not less than seven days' previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time.

22. Share Certificates.—(1) Every share certificate shall be issued in such form as may be specified by the Board. Each share certificate shall bear a distinctive number and denote the number of shares in respect of which it is issued. Every share certificate shall bear the name of the shareholder to whom it is issued.

(2) Every share certificate shall be signed on behalf of the Development Bank by two persons duly authorised in this behalf by the Board and

such signature may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

(3) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.

23. Issue of share certificate.—(1) While issuing certificates to any shareholder, it shall be competent for the Development Bank to issue the certificates on the basis of one certificate for each fifty shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but less than fifty.

(2) If the number of shares to be registered is less than fifty, one certificate shall be issued for all the shares.

(3) In the case of shares held jointly by several persons, delivery of the relative certificate or certificates to one of such joint holders shall be sufficient delivery to all and receipt signed by any one of the joint holders shall effectually bind all the joint holders.

24. Renewal of share certificates.—(1) If a worn out or defaced share certificate is produced, the Board may order the same to be cancelled, and have a new certificate issued in lieu thereof.

(2) If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, then upon production of such evidence of the loss or destruction thereof as the Board may consider satisfactory and upon such indemnity with or without security as the Board may require, and on payment to the Development Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter, a new certificate in lieu thereof shall be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

25. Transfer of shares.—(1) Every transfer of the shares of the Development Bank shall be in writing and in Form A.

(2) The instrument of transfer of any share shall be submitted to the Board and shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in register.

(3) Upon receipt by the Board of an instrument of transfer with a request to register the transfer, the Board shall, unless it refuses to register the transfer under section 13D of the Act, cause the transfer to be registered.

26. Power to suspend transfers.—The Board may suspend the registration of transfer during any period in which the register is closed.

27. Transmission of shares in the event of death, insolvency etc. of a shareholder.—(1) The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share, or the holder of a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, in respect of such share, or a person in whose favour a valid instrument of transfer of such share was executed by such person and by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by the Development Bank as having any title to such share.

(2) In the case of the shares registered in the names of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of a succession certificate in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of the share was executed by such person and such last survivor during the latter's life-time, shall be the only person who may be recognised by the Development Bank as having any title to such share.

(3) The Development Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or other legal representation, as the case may be, from a court of competent jurisdiction :

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of a succession certificate, letters of administration or such other legal representation upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

(4) Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, bankruptcy or liquidation of a shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right,—

- (a) to be registered as a shareholder in respect of such share; or
- (b) to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

28. Calls on Shares.—The Board may, from time to time make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, and not by the conditions of allotment thereof made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be made payable by instalments.

29. Calls to date from resolution.—A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.

30. Notice of call.—A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.

31. Extension of time for payment of call.—The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call as to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholders shall be entitled to such extension as a matter of right.

32. Liabilities of joint holders.—The joint-holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.

33. Amount payable at fixed time or by instalments as calls.—If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed time, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of calls shall relate to such amount or instalment accordingly.

34. When interest on call or instalment payable.—If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix, from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may waive payment of such interest wholly or in part.

35. Non-payment of calls by shareholder.—No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any privilege as a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, if any.

36. If call or instalment not paid, notice must be given.—If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, the Board may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgment or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal or otherwise) that may have been paid or incurred by the Development Bank by reason of such non-payment.

37. Form of Notice.—The notice shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.

38. In default of payment shares to be forfeited.—If the requirements of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter before payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.

39. Entry of forfeiture in the register.—When any share has been forfeited under regulation 38, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.

40. Forfeited shares to be property of the Development Bank and may be sold.—Any share so forfeited shall be deemed to be the property of the Development Bank and may be sold, reallocated or

otherwise disposed of, either to the original holder thereof or to any other person upon such terms and in such manner as the Board may decide.

41. Power to annul forfeiture.—The Board may, at any time, before any share so forfeited under regulation 38 shall have been sold, reallocated or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions as it may think fit.

42. Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest.—Any shareholder whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay and shall forthwith pay to the Development Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time of the forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.

43. Partial payment not to preclude forfeiture.—Neither a judgment nor a decree in favour of the Development Bank for calls or other moneys due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by the Development Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by the Development Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.

44. Application of forfeiture provisions.—The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, as if the same had been payable by virtue of a call duly made.

45. Development Bank's lien on shares.—The Development Bank, in the case of partly paid up shares, shall have a first and paramount lien for all moneys called or payable at a fixed time in respect of such shares. Any such lien shall extend to all dividends from time to time declared in respect of such shares.

46. Enforcing lien by sale of shares.—The Board may, for the purpose of enforcing lien referred to in regulation 45 sell the shares subject thereto in such manner as it thinks fit, but no sale shall be made unless any sum in respect of which the lien exists is presently payable nor until notice in writing of the intention to sell shall have been served on such shareholder or person, if any, entitled for transmission to the shares and default

shall have been made by him in payment of the sum presently payable for seven days after such notice.

47. Application of proceeds of sale of shares.—The net proceeds of any sale of shares under regulation 46 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

48. Certificate of forfeiture.—A certificate in writing under the hands of any director, or any other officer of the Development Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made and that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

49. Title of purchaser and allottee of forfeited share.—The Development Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, reallocation or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, reallocated or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any, nor shall his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, reallocation or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against, the Development Bank exclusively.

50. Service of a notice or document to shareholders.—(1) The Development Bank may serve a service or a document on any shareholder either personally, or by post at his registered address or if he has no registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Development Bank for the giving of notice to him.

(2) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice :

Provided that where a shareholder has intimated to the Development Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgement due, and has deposited with the Development Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or

2974 GI/94—4

notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder, and unless the contrary is proved, such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post.

(3) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears, on every shareholder of the Development Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Development Bank an address within India for giving of notices to him.

(4) A notice or document may be served by the Development Bank on the joint-holder of a share by serving it on the joint-holder named first in the register in respect of the share.

(5) A notice or a document may be served by the Development Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.

CHAPTER VI

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

51. Notice convening a general meeting.—(1) A notice convening a general meeting of the shareholders signed by the chairman or the managing director or the whole-time director of the Development Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.

(2) Every such notice shall state the time, date and place of such meeting, and also the business that shall be transacted at that meeting.

52. Extraordinary general meeting.—(1) The chairman or in his absence the managing director or in his absence the whole-time director of the Development Bank shall convene an extra-ordinary general meeting of shareholders if so direct-

ed by the Board, or if a requisition for such a meeting has been received either from the Central Government or from other shareholders holding shares, carrying in the aggregate not less than twenty per cent of the total voting rights of all the shareholders.

(2) The regulation referred to in sub-regulation (1) shall state the purpose for which the extraordinary general meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.

(3) Where two or more persons hold any shares jointly, a requisition or a notice calling a meeting, signed by one or some of them shall, for the purposes of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.

(4) The time, date and place of the extraordinary general meeting shall be decided by the Board :

Provided that the extraordinary general meeting convened on the requisition by the Central Government or other shareholders shall be convened not later than three months of the receipt of the requisition.

(5) If the chairman or the managing director or the whole-time director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (1), within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (4), the meeting may be called by the requisitionists themselves within the next three months :

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly commenced before the expiry of the period of three months aforesaid, from adjourning to some day after the expiry of that period.

(6) A meeting called under sub-regulation (5) by the requisitionists shall be called in the same manner, as nearly as possible, as that in which the other general meetings are called.

(7) Any reasonable expenses incurred by the requisitionists in calling a meeting under sub-regulation (5) shall be reimbursed to the requisitionists by the Development Bank.

53. Business at general meetings.—(1) No business other than that specified in Section 13H of the Act shall be transacted at the annual general meeting except with the consent of the chairman of the meeting.

(2) Except with the consent of the chairman of the meeting, no business shall be transacted or discussed at any extraordinary general meeting, except the business for which the meeting has been convened.

54. Quorum of general meetings.—(1) No business shall be transacted at any meeting of the shareholders whether it is the annual general meeting or an extraordinary general meeting unless a quorum of at least five shareholders consisting a duly authorised representative of the Central Government and four other shareholders entitled to vote at such meeting in person or by proxy or by duly authorised representatives is present at the commencement of such business.

(2) If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum be not present, in the case of a meeting called by the requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.

(3) In any other case, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the chairman of the meeting may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called:

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of Section 13F of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

55. Chairman at general meetings.—(1) The chairman or in his absence, the managing director or in his absence, the whole-time director or in his absence, such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the chairman in this behalf shall be the chairman of the meeting and if the chairman or the managing director or the whole-time

director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.

(2) The chairman of the general meeting shall regulate the procedure at all general meetings and in particular shall have power to decide the order in which shareholders may address the meeting, to fix a time limit for speeches, to apply the closure, when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed, and to adjourn the meeting.

56. Persons entitled to attend general meetings.—(1) All directors and all shareholders of the Development Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (2) be entitled to attend a general meeting.

(2) A shareholder (not being the Central Government) or a director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Development Bank a form containing the particulars relating to,—

- (a) his full name and registered address;
- (b) the distinctive numbers of his shares;
- (c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

57. Voting at general meetings.—(1) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded, be decided on a show of hands.

(2) Save as otherwise provided in the Act, every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.

(3) Unless a poll is demanded under sub-regulation (1), a declaration by the chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried, either unanimously or by a particular majority, and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings, shall be a conclusive evidence of the fact, without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of or against such resolution.

(4) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand

made in that behalf by any shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding shares in the Development Bank which confer a power to vote on the resolution not being less than one-fifth of the total voting power in respect of the resolution.

(5) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.

(6) A poll demanded on a question of adjournment or election of chairman of the meeting shall be taken forthwith.

(7) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.

(8) The decision of the chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

58. Minutes of general meetings.—(1) The Development Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose which may be in the form of binders containing loose leaves.

(2) Any such minutes, if purporting to be signed by the Chairman of the meeting at which the proceedings were held, or by the Chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings concluded thereat.

(3) Until the contrary is proved every general meeting in respect of the proceedings whereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.

CHAPTER VII

VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS

59. Determination of voting rights.—(1) Subject to the provisions contained in section 13G of the Act,—(a) upon a show of hands, every shareholder entitled to vote and present in person or by attorney or proxy shall have one vote; and

(b) upon a poll, every shareholder, who being an individual is present in person or by attorney or by proxy or being the Central Government or a body corporate, is present through

a representative, shall have a voting right in proportion to his or its share of the paid up equity capital of the Development Bank.

(2) Shareholder of the Development Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself; but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

(3) A person appointed as proxy shall be entitled to vote only upon a poll.

60. Voting by duly authorised representative.—(1) A shareholder being the Central Government or a body corporate may authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a "duly authorised representative" in these regulations) shall be entitled to exercise the same rights including the right to vote by proxy and powers on behalf of the Central Government or such body corporate as if he were an individual shareholder of the Development Bank.

(2) No person shall attend or vote at any meeting of shareholders of the Development bank as the duly authorised representative of a body corporate unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the head office of the Development Bank not less than four clear days before the date fixed for the meeting.

Explanation.—For the purpose of this regulation, a body corporate shall also include a society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or any other law for the time being in force providing for registration of Societies.

61. Proxies.—(1) No instrument of proxy shall be valid unless in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing, or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate it is executed under its common seal, if any, or signed by its attorney duly authorised in writing :

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who for any reason is unable to write his name, if his thumb impression is affixed thereto and attested

by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government Gazetted officer or an officer of a nationalised bank or the Development Bank.

(2) No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the head office of the Development Bank not less than four clear days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power or authority certified by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with the Development Bank.

(3) No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form B.

(4) An instrument of proxy deposited with the Development Bank shall be irrevocable unless,

(a) on or before the last date of deposit of proxy, there shall have been deposited at the head office of the Development Bank a notice in writing under the hand or common seal of the grantor specifically stating—

(i) the name of the person in whose favour the instrument was granted; and

(ii) that such instrument is revoked; or

(b) the same is deemed to be invalid under sub-regulation (6).

(5) In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, it shall not be necessary to mention in the notice of revocation the name of the second or alternative grantee provided that the notice is otherwise sufficient to identify beyond doubt the instrument of proxy which it is intended to revoke.

(6) If two or more instruments of proxy in respect of the same shares are deposited and if on or before the last day for deposit of proxies all but one of such instruments of proxy has not been duly revoked in accordance with the procedure laid down in sub-regulation (4) all such instruments of proxy shall be deemed to be invalid.

(7) The due revocation of an instrument of proxy shall in no way prohibit the deposit of another valid instrument of proxy within the time specified in sub-regulation (2).

(8) The grantor of an instrument of proxy which has become irrevocable under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.

(9) No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of the Development Bank.

(10) Nothing contained in this regulation shall apply to the Central Government and the Central Government may appoint such person as it thinks fit to act as its representative at any general meeting of the Development Bank. A person so appointed shall for the purpose of the meeting be deemed to be the shareholder of the Development Bank and shall exercise the same rights and powers as the Central Government shall be entitled to exercise at the meeting.

CHAPTER VIII

ELECTION OF DIRECTORS

62. Directors to be elected at general meetings.—(1) A director to be elected under clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Act shall be elected by the shareholders in the annual general meeting of the Development Bank.

(2) The number of directors to be elected and the particular vacancies in respect of which the election is to be held shall be specified in the notice convening the annual general meeting.

63. Nomination of candidates for election.—(1) No candidate for election as a director shall be validly nominated unless.—(a) he is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under sub-section (1) of Section 6B of the Act;

(b) the nomination is in writing signed by at least two shareholders entitled to elect directors under clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a body corporate may be made by a resolution of the directors of the said body corporate and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the chairman of the meeting at which it was passed shall be despatched to the head office of the Development Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such body corporate;

(c) the nomination shall accompany or contain a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar

of Assurances or other Gazetted officer or an officer of a nationalised bank or Development Bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified for election under Section 6B of the Act.

(2) No nomination shall be valid unless it is complete in all respects and received, in the head office of the Development Bank on a working day not less than fourteen clear days before the date fixed for the meeting.

64. Scrutiny of nominations.—(1) Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election, the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.

(2) A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

65. Election disputes.—(1) If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the chairman of the Development Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.

(2) On receipt of an intimation under sub-regulation (1), the chairman of the Development Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of himself and any two of directors nominated under clauses (c) and (d) of sub-section (1) of section 6 of the Act.

(3) The committee referred to in sub-regulation (2) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared

result of the election, or, if it finds that the election was not a valid election, it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.

(4) An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

66. Removal of director.—A director sought to be removed under sub-section (4B) of Section 6 of the Act, shall be given an opportunity to make representation in writing against such removal to the Development Bank (not exceeding a reasonable length) and such representation, if the director so requests, shall be circulated among the shareholders other than the Central Government or alternatively, if the director so requests, be published in any newspaper circulated in India and if such circulation or publication of representation is not possible for want of time, the same shall be read out at the meeting.

SCHEDULE

(See regulation 14)

INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, LIABILITIES

Previous Year	This Year
Rs.	Rs.
1. SHARE CAPITAL:	
Authorised	
Issued and paid up	
2. RESERVES, FUNDS AND SURPLUS:	
(i) Reserve Funds	
(ii) Other Funds	
(iii) Reserves	
Less : Debit Balance, if any in the Profit & Loss Account	
(iv) Surplus	
3. GIFTS, GRANTS, DONATIONS AND BENEFACTIONS:	
(i) From Government	
(ii) From other sources	
4. BONDS AND DEBENTURES:	
5. DEPOSITS:	
6. BORROWINGS:	
(i) From Reserve Bank of India	
(a) Secured against stocks funds and other trustee securities.	

(b) Secured against bills of exchange or promissory notes

(c) Out of the National Industrial Credit.

(Long term operations)
Fund

(ii) From Government of India:

(a) Interest free loan

(b) Other loans

(iii) From other sources

(iv) In foreign currency

7. CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:

CONTINGENT LIABILITIES:

- (i) Claims against the Bank not acknowledged as debts
- (ii) On account of guarantee issued
- (iii) On account of underwriting commitments
- (iv) On account of uncalled moneys on partly-paid shares, debentures etc.
- (v) Moneys for which the Bank is contingently liable

SCHEDULE 1 (Contd.) ASSETS

Previous Year	This Year
Rs.	Rs.
1. CASH AND BANK BALANCES:	
(i) Cash in hand and balances with Reserve Bank of India	
(ii) Balances with other banks:	
(a) On current account	
(b) On deposit account	
2. INVESTMENT : @	
(i) In securities of Central and State Governments	
(ii) In stocks, shares, bonds and debentures of financial institutions	
(iii) In stocks, shares, bonds and debentures of industrial concerns	

3. LOANS AND ADVANCES:

- (i) To scheduled banks, State Co-operative banks and other financial institutions
 - (ii) To industrial concerns

**4. BILLS OF EXCHANGE AND
PROMISSORY NOTES DISCOUNTED
OR REDISCOUNTED:**

5. PREMISES:

(At cost less depreciation)

6. OTHER FIXED ASSETS:

(At cost less depreciation)

7. OTHER ASSETS:

8. PROFIT AND LOSS ACCOUNT :

@Total market value to be indicated in case it is lower than the book value.

SCHEDULE II

(See regulation 14)

**INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA
PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR
ENDED MARCH 31.**

EXPENDITURE

[Previous](#) [This](#)

Year _____ **Year** _____

Rs.

Year

R.S.

1. Interest paid on Deposits, Borrowings etc.
 2. Establishment expenses
 3. Directors' and Executive Committee Members' fees and expenses
 4. Auditors' fees
 5. Rent, Taxes, Insurance, Lighting etc.
 6. Law Charges
 7. Postage, Telegrams and Stamps
 8. Stationery, Printing Advertisement etc.
 9. Depreciation
 10. Net loss on sale of investments
(not debited to reserves or any particular fund or account)
 11. Other expenditure
 12. Balance of Profit carried down
 13. Balance of loss brought down
 14. Balance of loss brought forward from last year.
 15. Provision for taxation
 16. Appropriations
 17. Balance of profit carried to balance sheet.

SCHEDULE-II (Contd.)

INCOME

(Less provision made during the year for bad and doubtful debts, and other necessary and expedient provisions)

Previous Year		This Year
Rs.		Rs.
1. Interest and Discount		
2. Income from investments		
3. Commissions, brokerage etc.		
4. Net profit on sale of investment (Not credited to reserve or any particular fund or account)		
5. Other income		
6. Balance of loss carried down		
7. Balance of profit brought down		
8. Balance of profit brought forward from last year.		
9. Balance of loss carried to balance sheet.		

**INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA
FORM A**

FORM A

Share Transfer Form

[See sub-regulation (1) of regulation 25]

FOR THE CONSIDERATION stated below the "Transferor(s)" named do hereby transfer to the "Transferee(s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor(s) and the Transferee(s) do hereby agree to accept

and hold the said share
Name of the recognised
Stock Exchange, where
dealt in, if any

Description of Equity Shares

ATTESTATION

I hereby attest the signature of the Transferor(s) herein mentioned	Signature of witness	Name of delivering broker or clearing member	Date	Power of Attorney Probate	Death Certificate	
Signature	Name and address of witness	Letters of Administration				
Name	Pin	Registered with the Company No. _____ Date _____				
Address/Seal		(Signature (not initials) of Broker, Bank, Company or Stock Exchange Clearing House)				
Transferee(s)	Buyer(s) Particulars	Signature(s)				
Name(s) in full	1.	1.				
	2.	2.				
	3.	3.				
Occupation	Address	Father's/Husband's Name	Lodged by: Full Address:			
1.						
2.						
3.						
Transferee(s) existing			Share Certificate to be returned to _____ (Fill in the name and address to which the certificates are required to be returned)			
Folio if any, in same order of Names	Value of Stamps affixed Rs._____	Name & Address:				
Dated this _____ day of _____ One thousand nine hundred _____					Share Transfer Stamps	
Place : _____						
For Office use only	Folio	INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA				
Checked by _____	Specimen 1.	FORM B				
Signatures tallied by _____	Signature(s), 2. of Transferee(s)	FORM OF PROXY				
Entered in Register of Transfer No. _____	[See sub-regulation (3) of regulation 61]					
Approval Date _____						

Instructions for attestation :

Attestation, where required (thumb impressions, marks signature difference etc.) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the Seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE : Names must be rubber stamped preferably in a straightline. Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

I/We, resident of _____ in the district of _____ in the State of _____ being a shareholder/shareholders of the Development Bank hereby appoint Shri _____ resident of _____ in the district of _____ in the State of _____ or failing him, Shri _____ resident of _____ in the district of _____ in the State of _____ as my/our proxy to vote for me/us on my/our behalf at the meeting _____ of the shareholders of the Industrial Development Bank of India to be held on the _____ day of _____ 19_____, and at any adjournment thereof.

Signed by the _____ day of _____ 19_____.
sd/-

A. LAHIRI, General Manager

Certified that Government of India have given approval to the amendments to the Industrial Development Bank of India General Regulations, 1964 vide their letter F.No. 10(32) IF.I/94 dated 26-12-1994

sd/-
R.S. LOONA, Jt. Legal Adviser.